



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम
NATIONAL INSTITUTE OF TECHNOLOGY SIKKIM

वार्षिक प्रतिवेदन

२०१७-१८



विषयानुक्रम

अभिवृष्टि एवं ध्येय	४
निदेशक का संदेश	५
परिचय	६
स्थान	६
परिसर	६
शासी मंडल एवं अन्य समितियां	८
शासी मंडल	८
वित्तीय समिति	९
भवन व कार्य समिति	१०
सीनेट के सदस्य	१०
कुल सचिव	११
संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष	११
संकाय प्रभारी	१२
प्रवेश व्यवस्था	१२
शैक्षिक प्रणाली	१३
प्रोग्राम संरचना	१३
पंजीकरण	१३
आफर किया गया शैक्षणिक प्रोग्राम	१४
संकाय एवं कर्मचारीगण	१८
संकाय के सदस्यों की सूची	२०
कर्मचारीगणों की सूची	२२
प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ	२२
शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ में शाखा-वार छात्रों का चयन	२३
प्रशिक्षु कार्यक्रम	२४
कार्यशालाएं एवं वार्ताएं	२५
प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ वेब साइट	२५



परिसर की जीवन्तता	२६
शैक्षणिक विभाग.....	३३
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	३३
आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग	४०
वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी विभाग	४८
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग	५२
जनपद अभियांत्रिकी विभाग	५६
जैव प्रौद्योगिकी विभाग	५७
गणित विभाग.....	५८
भौतिकी विभाग	५८
रसायन विभाग.....	६०
मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	६१
तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम	६२
अवसर एवं चुनौतियां	६८
पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट	६९
वार्षिक लेखा वित्तीय वर्ष २०१७-१८	७४

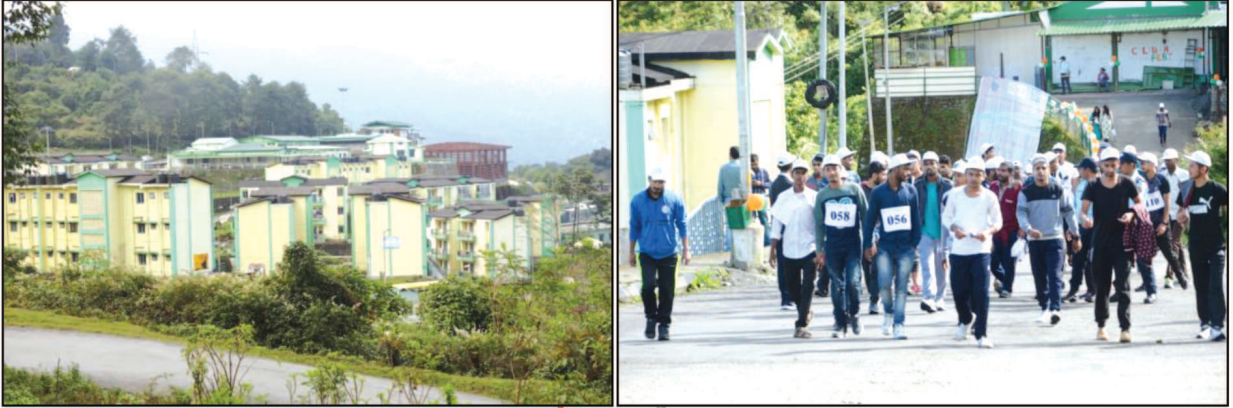


अभिवृष्टि

भारत में वह सक्षमता एवं उत्तरदायित्व की प्रतिबद्धता है कि वह दर्शनशास्त्र, विवेक/अन्तःकरण और नैतिक मूल्यों से विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी को एतत् रूप से अपनी सेवाएं आवश्यक रूप से प्रदान कर सके। निःसंदेह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन०आई०टी०) सिक्किम अपनी इस भूमिका का निर्वहन करने को प्रस्तुत है।

ध्येय

हमारी सदेच्छा और प्रयास है कि हम अपने विद्यार्थियों को ऐसी दीक्षा दे कि वे आगे चलकर अभियांत्रिकी के क्षेत्र में श्रेष्ठ बन कर उभरें और वे प्रौद्योगिकी तथा वैज्ञानिक उत्कर्षता का आनंद ले सके। निःसंदेह इससे उन्हें वैश्विक स्तर पर अपने ज्ञान के प्रदर्शन का अवसर मिलेगा और इससे भारत एवं समग्र विश्व को दिशा एवं मूल्यों के क्षेत्र में अवलोकन का अवसर प्रदान होगा।





निदेशक का संदेश

मुझे राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम की वार्षिक प्रतिवेदन (२०१७-१८) को प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष है। निदेशक के रूप में कार्यारम्भ करने का यह मेरा प्रथम वर्ष है। इस संस्थान ने सिक्किम राज्य और हमारे महान राष्ट्र की जो सेवाएं की हैं उसके बृहद परिदृश्य के प्रति मैं आश्चर्य और आशावादी हूँ।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम की स्थापना वर्ष २०१० में की गई थी। लक्ष्य था कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सिक्किम राज्य में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा प्रदान की जाए तथा अनुसंधान एवं विकास संबंधी ऐसी गतिविधियां संचालित की जावें जिससे उक्त लक्ष्य की प्राप्ति की जा सके। तब से लेकर आज तक अकादमिक और शोध उत्कर्षता की दिशा में संस्थान समर्पित और सचेष्ट है।

यद्यपि संस्थान का संचालन दक्षिण सिक्किम के रावंगला नामक स्थान पर अस्थाई परिसर से किया जा रहा है। देश के विभिन्न भागों से आने वाले छात्रों को समुचित सुविधाएं प्रदान करने हेतु हमने अपना सर्वोत्तम प्रयास किया है। किसी भी संस्थान के लिए अकादमिक माहौल, अध्ययन हेतु स्वस्थ एवं मैत्री भाव वाला परिसर उपलब्ध कराना आवश्यक है और इस दिशा में मेरे प्रयास निर्देशित हैं। हमने कार्यालय, प्रयोगशाला, अध्ययन कक्ष, मेस आदि के लिए शेड डालकर अस्थायी प्रबंध कर लिया है और इस प्रकार अल्प लागत में स्थान की उपलब्धता की समस्याएं कुछ हद तक सुलझा ली गई हैं। स्थायी परिसर की स्थापना हेतु उपयुक्त भूमि के आबंटन की हमें प्रतीक्षा है जिसमें विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की जावेंगी।

यह सच है कि हम स्थायी परिसर के अभाव में देश के दूसरे भागों से सम्पर्क में आने वाली समस्याओं से जूझ रहे हैं। मुझे इस बात पर गर्व है कि संकाय कर्मियों और हमारे विद्यार्थियों ने उत्कृष्टता एवं मान्यता की दिशा में अपने प्रयासों की सात्वता जारी रखी। छात्रों की उपलब्धियाँ प्रशंसनीय हैं।

इस वार्षिक प्रतिवेदन में संस्थान से सम्बद्ध लोगों का परिचय तो है और साथ ही साथ संस्थान द्वारा संचालित पाठ्येतर गतिविधियों, विभिन्न अकादमिक कार्यक्रमों आदि की विवरणिका भी प्रस्तुत है।

मैं इस अवसर पर विशेष कर शासी मंडल के सदस्यों, सीनेट, अध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ जिन्होंने संस्थान की प्रगति के लिए पूरे समर्पण से कार्य किया।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

जय हिंद!

प्रो० महेश चन्द्र गोविल



१. परिचय

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम राज्य में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास को पूरा करने तथा उच्च गुणवत्ता परक तकनीकी शिक्षा देने के लिए ११वीं पंचवर्षीय योजना के भाग के रूप में संसद के अधिनियम द्वारा वर्ष २०१० में स्थापित संस्थान है। संस्थान को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च कुशल कर्मचारियों को बढ़ाने में संस्थान की भूमिका को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार द्वारा संस्थान को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की मान्यता दी गयी है। संस्थान वर्तमान में ६ बी.टेक., ३ एम.टेक., १ रसायन विज्ञान में एम.एस-सी. तथा सभी अभियांत्रिकी विज्ञानों तथा मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में पी-एच.डी. प्रोग्राम दे रहा है। अध्ययन की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए छात्रों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, अस्थायी परिसर, दूरस्थ स्थान, अत्यधिक प्रतिकूल जलवायु और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण विभिन्न गतिविधियों के प्रबंधन में भारी चुनौतियां पेश आती हैं।

स्थान -

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम आरम्भ से ही रावंगला, दक्षिण सिक्किम स्थित परिसर से संचालित हो रहा है। संस्थान लगभग ११ एकड़ के क्षेत्रफल में राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये अस्थायी परिसर में शैक्षणिक एवं अनुसंधान क्रिया कलाओं को पूरा करता है। रावंगला कस्बा सिक्किम की राजधानी गंगटोक से ६८ किमी० की दूरी पर स्थित है। कैम्पस से निकटतम रेलवे स्टेशन न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पश्चिम बंगाल है जो कैम्पस से ११८ किमी० की दूरी पर है जबकि हवाई यात्रा बागडोगरा से उपलब्ध है, जो कैम्पस से १३२ किमी० की दूरी पर है।

परिसर -

रावंगला स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान का परिसर अस्थायी है जो कि पर्याप्त प्राकृतिक एवं सजीव सौन्दर्य के साथ प्राकृतिक स्थान पर है। रावंगला कस्बा कैम्पस से मात्र २.५ किमी० की दूरी पर स्थित है। कस्बे में मूलभूत जनोपयोगी सेवाएं जैसे बैंक, डाक खाना एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उपलब्ध है। हालांकि - अस्थायी कैम्पस, दूरस्थ स्थान, उग्र जलवायु तथा अपर्याप्त आधार भूत संरचना प्रबंधन हेतु काफी बड़ी चुनौती पेश करता है। एक छोटा कस्बा होने के कारण रावंगला में सीमित स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध हैं।

अस्थायी कैम्पस में निम्नलिखित सुविधाएं हैं

कैम्पस में सोलह तीन मंजिला ब्लॉक, प्रत्येक ब्लॉक में छह-छह छोटे कमरों का अपार्टमेंट है। कुल ९६ अपार्टमेंट है। इनका उपयोग लड़कों के छात्रावास, लड़कियों के छात्रावास, संकाय अपार्टमेंट तथा स्टाफ अपार्टमेंट के रूप में किया जाता है। यह शरणार्थी पुर्नवास परियोजना के अन्तर्गत निर्मित है।

- शैक्षणिक भवन में तीन कक्षाएं दो कम्प्यूटर लैब, चार संकाय कक्षा तथा अधिष्ठाता छात्र कार्यालय तथा अधिष्ठाता शैक्षणिक कार्यालय शामिल है। सुपर कम्प्यूटिंग सुविधा, परम कंचन जंगा भी शैक्षणिक भवन में स्थित है।




- प्रशासनिक भवन में निदेशक का सचिवालय, रजिस्ट्रार कार्यालय लेखा अनुभाग, संकाय/प्रशासनिक/निदेशकीय बैठक तथा परीक्षा प्रकोष्ठ शामिल है।
- छात्रावासों के लिए निर्मित दो पूर्व निर्मित भवनों का उपयोग लगभग ३०० छात्रों के लिए प्रभावी तरीके के किया जा रहा है। छात्रावास हेतु रावंगला कस्बे में कुछ भवनों को किराये पर भी लिया गया है।
- विभिन्न बाहरी क्रियाकलापों तथा खेल के लिए खेल के मैदान की सुविधा है।
- खेलों तथा अन्य सह-पाठ्यचर्या, क्रियाकलापों हेतु शैक्षणिक भवन के अन्दर बैडमिंटन कोर्ट है।
- वर्तमान में अस्थायी कैम्पस में अपर्याप्त स्थान के कारण संस्थान में आवश्यक प्रयोगशालाएं तथा कक्षाएं भी नहीं है।
- परिसर कांटेदार तारों के बाड़े से सुरक्षित है तथा इसके के चारों ओर सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।



२. शासी मंडल एवं अन्य समितियां

शासी मंडल

	नाम	सम्पर्क सूत्र
निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम पदेन सदस्य एवं कार्यकारी अध्यक्ष		
	प्रो० महेश चन्द्र गोविल निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम पदेन सदस्य एवं कार्यकारी अध्यक्ष, शासी मंडल, रावंगला, दक्षिण सिक्किम-७३७१३९	Email: director@nitsikkim.ac.in govilmc@gmail.com
सदस्य		
	श्री जी. पी. उपाध्याय आई०ए०एस०, प्रमुख सचिव एच०आर०डी०डी०, सिक्किम सरकार	Email: gpupadhyaya@gmail.com
	श्री यूजेन चोपेल राज्य सरकार से नामित सदस्य	Email: ugyenchopel@gmail.com
	प्रो० चंदन महांता संकायाध्यक्ष, विद्यार्थी प्रकरण भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी से नामित सदस्य	Email: chandan@iitg.ernet.in
	डॉ० अचिंतेश नारायण बिस्वास रसायन विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम दक्षिण सिक्किम-७३७१३९	Email: achintesh@nitsikkim.ac.in
	डॉ० संग्राम राय सहायक प्रोफेसर संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम दक्षिण सिक्किम - ७३७१३	Email: sray.cse@nitsikkim.ac.in sangram.ism@gmail.com

	<p>संयुक्त सचिव अथवा इनके नामिती भारत सरकार माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली-११०००१</p>	<p>Email: technicalsection3@yahoo.com</p>
	<p>संयुक्त सचिव एवं वित्तीय परामर्शी माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली-११०००१</p>	
सचिव		
	<p>डॉ० मो० नूरुज्जमान कुलसचिव एवं सचिव शासी मंडल राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम दक्षिणी सिक्किम-७३७१३९</p>	<p>Email: jaman_nonlinear@yahoo.co.in</p>

वित्त समिति

नाम	सम्पर्क सूत्र
<p>प्रो० महेश चन्द्र गोविल निदेशक, एन. आई. टी. सिक्किम पदेन सदस्य सह अध्यक्ष</p>	<p>Email: director@nitsikkim.ac.in govilmc@gmail.com</p>
<p>श्री यूजेन चोपेल राज्य सरकार से नामित सदस्य</p>	<p>Email: ugyenchopel@gmail.com</p>
<p>डॉ० अचिंतेश नारायण बिस्वास सहायक प्रोफेसर, रसायन विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम दक्षिण सिक्किम -७३७१३९</p>	<p>Email: achintesh@nitsikkim.ac.in</p>
<p>डॉ० मो० नूरुज्जमान कुल सचिव एवं सचिव भौतिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम दक्षिण सिक्किम -७३७१३९</p>	<p>Email: jaman_nonlinear@yahoo.co.in</p>
<p>संयुक्त सचिव/उनके नामिती माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-११००००</p>	
<p>संयुक्त सचिव एवं वित्तीय परामर्शी माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली-११०००१</p>	



भवन व कार्यसमिति

नाम	सम्पर्क सूत्र
प्रो० महेश चन्द्र गोविल निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम पदेन सदस्य सह अध्यक्ष	Email: director@nitsikkim.ac.in govilmc@gmail.com
श्री मनीष कुमार जिंदल मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एन०ए०बी०ई०टी०	Email: manishjindal.hsbt@gmail.com
श्री विक्रम पंत कार्यकारी अभियंता (सिविल) सी०पी० डब्लू० डी०, गंगटोक प्रभाग	Email: ee_gcd01@yahoo.com
डॉ० अरविन्द पांडा अधिष्ठाता, प्रभारी योजना एवं विकास एन.आई.आई.टी., सिक्किम	Email: aurobind.panda@gmail.com
श्री रोडन थापा मुख्य अभियन्ता, ऊर्जा एवं बिजली विभाग सिक्किम राज्य	Email: rodanthapa@gmail.com
डॉ० मो० नूरुज्जमान कुल सचिव एवं सचिव राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, दक्षिण सिक्किम -७३७१३	Email: jaman_nonlinear@yahoo.co.in
केन्द्र सरकार द्वारा नामित सदस्य जिसका पद निदेशक अथवा उप सचिव के समक्ष से कम न हो।	

सीनेट के सदस्य

क	निदेशक	अध्यक्ष
ख	प्रो० महेश चन्द्र गोविल	अध्यक्ष
ग	कुल सचिव डॉ० मो० नूरुज्जमान	सचिव
घ	बाह्य सदस्य प्रो० कृष्ण कुमार भौतिकी विभाग आई०आई०टी०, खडगपुर	सदस्य
ङ	प्रो० सुप्रिया अग्रवाल अंग्रेजी भाषा विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान	सदस्य



	प्रो० रविन्दर कौर समाज विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आई०आई०टी० दिल्ली	सदस्य
	प्रो० मिनी चन्द्रन मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आई०आई०टी० कानपुर	सदस्य
	प्रो० धीरज सांघी संगणक अभियांत्रिकी विभाग आई०आई०टी०, कानपुर	सदस्य
	प्रो० के०आर० नियाजी आण्विक अभियांत्रिकी विभाग एम०एन०आई०टी०, जयपुर	सदस्य
	प्रो० ललित कुमार अवस्थी निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर	
	प्रो० वीरेन्द्र सिंह वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग आई०आई०टी०, मुंबई	सदस्य
	प्रो० एम०के० श्रीमाली सिविल इंजीनियरी विभाग एम०एन०आई०टी०, जयपुर	
ठ	सभी विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम	

कुल सचिव

डॉ० मो० नूरुज्जमान सहायक प्रोफेसर, भौतिकी विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम, दक्षिणी सिक्किम-७३७१३९	Email: jaman_nonlinear@yahoo.co.in
---	---

संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष

संकायाध्यक्ष (अकादमिक कार्य)	डा० रंजन बसाक
संकायाध्यक्ष प्रशासन, संकाय एवं कर्मचारी मामले	डॉ० अचिंतेश नारायण बिस्वास
संकायाध्यक्ष (विद्यार्थी कार्य)	डा० सुमित साहा
संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं परामर्श)	डॉ० अनिन्द्य बिस्वास
संकायाध्यक्ष (नियोजन एवं विकास)	डॉ० अरविन्द पांडा



विभागाध्यक्ष (संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)	डॉ० संग्राम राय
संकायाध्यक्ष (आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी)	डॉ० संजय कुमार जाना
संकायाध्यक्ष (वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी)	डॉ० अंजन कुमार राय
विभागाध्यक्ष यांत्रिक अभियांत्रिकी	डॉ० शंभूनाथ बर्मन
संकायाध्यक्ष (सिविल अभियांत्रिकी)	डॉ० अनिन्द्य बिस्वास
विभागाध्यक्ष (गणित)	डॉ० रवि श्रीवास्तव
संकायाध्यक्ष (भौतिकी)	डॉ० मु० नुरुज्जमान
संकायाध्यक्ष (रसायन)	डॉ० तारक नाथ कुंडू
संकायाध्यक्ष (मानविकी)	डॉ० धनंजय त्रिपाठी

संकाय प्रभारी

पूर्व स्नातक छात्रों के मामले एवं संसाधन उत्पादन	मु० सरफराज आलम अंसारी
सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी अधः सरचना	डा० प्रत्याय कुइला
ज्ञान, सूचना एवं शिक्षा प्राप्ति प्रतिष्ठापन	डा० रंजन बसाक
परीक्षा नियंत्रक प्रभारी	डा० सौरव मल्लिक
भू-दृश्य, बागवानी एवं पर्यावरण संरक्षण	श्री नीलांजन दत्त
प्रकाशन एवं वेब सूचना प्रणाली	डा० धनंजय त्रिपाठी
अध्यक्ष (महिला शिकायत प्रकोष्ठ)	श्रीमती गोपा भौमिक
खेल-कूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां	डा० प्रणव कुमार कुंडू
भारतीय भाषाओं एवं संस्कृति की समुन्नति	डा० धनंजय त्रिपाठी
प्रशिक्षण एवं स्थापना गतिविधियां	डा० धनंजय त्रिपाठी
स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी सेवाएं	डा० सुरजीत कुंडू
अध्यक्ष, नवाचार प्रकोष्ठ	डा० अंजन कुमार राय
अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ अध्यक्ष	श्रीमती गोपा भौमिक
भंडार एवं क्रय संबंधी गतिविधियां	डा० तारक नाथ कुंडू
वाहन एवं परिवहन प्रबंधन गतिविधियां	डा० सौरव मल्लिक
सामुदायिक विकास एवं बोध कार्यक्रम	डा० शंभू नाथ वर्मन
निर्माण एवं अनुरक्षण गतिविधियां	श्री देवाशीष राय
शक्ति एवं ऊर्जा संरक्षण पहल	डा० प्रदीप कुमार

३. शैक्षणिक व्यवस्था -

संस्थान वर्तमान में अभियांत्रिकी विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर, रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर तथा अभियांत्रिकी बुनियादी विज्ञान एवं मानविकी में पी०एच०डी० प्रोग्राम ऑफर कर रहा है।



(क) प्रवेश प्रक्रिया

बी०टेक०

सभी स्नातक पूर्ण पाठ्यक्रमों/डिग्री प्रोग्राम का प्रवेश राष्ट्रीय जे०ई०ई० (मुख्य) परीक्षा के द्वारा प्रथम वर्ष में दिया जाता है एवं सीटों का आबंटन केन्द्रीय सीट आबंटन बोर्ड (सी०एस०ए०बी०) के द्वारा किया जाता है।

एम०टेक०

एम०टेक डिग्री का पाठ्यक्रम उन अभ्यर्थियों के लिए खुला है जिन्होंने अर्हकारी परीक्षा में कुल मिलाकर ६० प्रतिशत अंक या ६.५ सी०जी०पी०ए० के साथ अपेक्षित अर्हता को प्राप्त किया है। गेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए प्रवेश कामन प्रवेश प्रक्रिया जिसे केन्द्रीय प्रौद्योगिकी मास्टर काउन्सिलिंग (स०सी०एम०टी०) कहा जाता है, के जरिये किया जाता है। जब गेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होते हैं तब प्रवेश एम०टेक० में कोटेदार एवं मेरिट के आधार पर किया जाता है। प्रायोजित अभ्यर्थियों छात्रवृत्ति प्राप्त करने के योग्य नहीं हैं भले ही गेट में उत्तीर्ण हो।

एम०एस०सी० (रसायन)

एम०एस०सी० पाठ्यक्रम में प्रवेश राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एम०एस०सी० हेतु केन्द्रीय काउन्सिलिंग (सी०सी०एम०एन०) के प्रक्रिया के द्वारा आई०आई०टी०-जैम के अंक के आधार पर किया जाता है। सी०सी०एम०एन० आबंटन के बाद खाली शेष सीटों को सी०सी०एम०एन द्वारा निर्धारित अर्हता मानक के अनुसार 'संस्थान प्रवेश परीक्षा' (आई०ए०टी०) के जरिए भरा जाता है।

(ख) प्रोग्राम संरचना

बी०टेक० डिग्री प्रोग्राम की अवधि चार वर्ष है तथा एम०टेक एवं एम०एस०सी० का दो वर्ष है। विभिन्न डिग्री प्रोग्रामों हेतु पाठ्यक्रम का अनुमोदन सीनेट द्वारा किया जाता है। प्रत्येक प्रोग्राम का पाठ्यक्रम तथा संघटक पाठ्यक्रम, जिसमें अध्ययन का विस्तार किये जाने वाली विस्तृत शिक्षा विधि, पाठ्यक्रम पर आयोजित किये जाने वाले पाठ्यक्रम विकास कार्यशाला में अंतिम रूप दिया जाता है तथा सीनेट द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

बी०टेक०

बी०टेक० प्रोग्राम के पाठ्यक्रम में किसी प्रतिष्ठित उद्योग, अनुसंधान संगठन या संस्थान में अल्पावधि औद्योगिक या अनुसंधान इंटरशिप भी शामिल है।

(ग) पंजीकरण

छात्रों का पंजीकरण निम्नलिखित के पूरा होने पर प्रथम वर्ष के अंत में द्वितीय वर्ष (तीसरे सेमेस्टर) में किया जाता है।

(क) तीसरे, पांचवे या सातवें सेमेस्टर हेतु पंजीकरण कराते समय छात्र का पंजीकरण पहले, तीसरे या पांचवे सेमेस्टर के बैकलाग पाठ्यक्रमों हेतु किया जा सकता है तथा चौथे, छठे या आठवें सेमेस्टर हेतु पंजीकरण कराते समय दूसरे, चौथे या छठे सेमेस्टर के बैकलाग पाठ्यक्रमों हेतु पंजीकरण किया जा सकता है। छात्र को अन्तिम सेमेस्टर परीक्षाओं में उपस्थित होना पड़ता है तथा ग्रेड परीक्षा में प्राप्त अंकों पर आधारित दिया जाता है। शिक्षक का मूल्यांकन, मध्यावधि एवं अन्य सतत् मूल्यांकन घटकों को आंतरिक मूल्यांकन से अनुनीत किया जाता है। बैकलाग पेपरों हेतु पंजीकरण सेमेस्टर पंजीकरण के समय पर किया जाता है। बैकलाग पाठ्यक्रम में प्राप्त ग्रेड की अपेक्षा एक ग्रेड कम दिया जाता है। (ई ग्रेड विषय के उत्तीर्ण ग्रेड के अपवाद के रूप में ई के रूप में रहता है।)



(ख) छात्रों के लिए हर समय ५.०० का न्यूनतम सी०जी०पी०ए० बनाये रखना अनिवार्य होता है।

(घ) आफर किया गया शैक्षणिक प्रोग्राम

२०१७-१८ शैक्षणिक सत्र में ऑफर किया गया प्रोग्राम

(i) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शाखाओं में चार वर्षीय बी०टेक० पाठ्यक्रम

- जैव प्रौद्योगिकी (बी०टी०)
- सिविल अभियांत्रिकी (सी०ई०)
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी (सी०एस०ई०)
- आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी (ई०सी०ई०)
- वैद्युत इलेक्ट्रिकल्स अभियांत्रिकी (ई०ई०ई०)
- यांत्रिक अभियांत्रिकी (एम०ई०)

(ii) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी शैक्षिक शाखाओं में दो वर्षीय एम०टेक० प्रोग्राम

- संगणक विज्ञान तथा अभियांत्रिकी में एम०टेक०
- आण्विक तथा संचार अभियांत्रिकी में एम०टेक० (माइक्रो इलेक्ट्रानिक्स तथा वी०एल०एस०आई० डिजाइन)
- वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी में एम०टेक० (कंट्रोल पावर एवं इलेक्ट्रिक ड्राइव)

(iii) रसायन विज्ञान विभाग के दो वर्षीय एम०एस०सी० प्रोग्राम

पाठ्यक्रम वार नामांकन

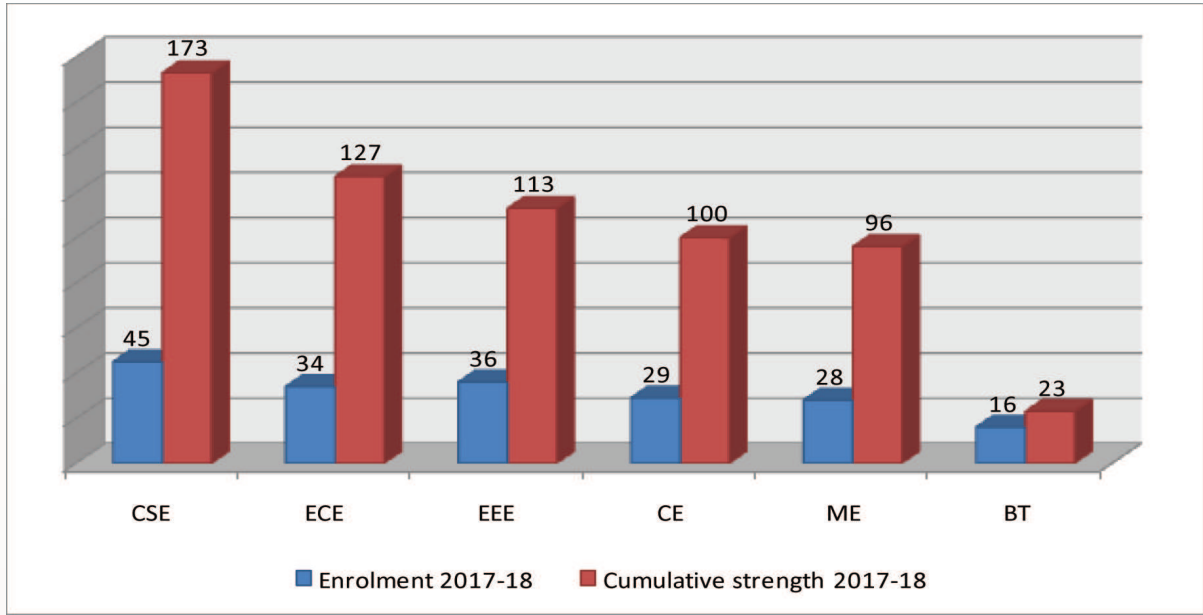
बी०टेक० प्रोग्राम

निम्न सारिणी २०१७-१८ शैक्षणिक सत्र के उपलब्ध संख्या तथा २०१७-१८ हेतु प्रस्तावित प्रवेश, लिंग एवं जाति के आधार पर विभागवार बी०टेक० नामांकन को प्रदर्शित करता है।

शाखा	प्रवेश वर्ष	प्रवेश क्षमता	२०१७-१८ में नामांकन							छात्रों की कुल स्थायी क्षमता						
			म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग	म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग
सीएसई	२०१०	४५	३९	६	१३	८	१३	११	४५	१४५	२८	२८	१५	४८	८३	१७३
ईसीई	२०१०	४०	२९	५	८	३	११	१२	३४	१०१	२६	१६	१०	३६	६३	१२७
ईईई	२०१०	४०	३४	२	९	३	९	१५	३६	९९	१४	१४	१३	३०	५६	११३
सीई	२०१३	३०	२५	४	५	३	१२	९	२९	९०	१०	१८	१२	३४	३६	१००
एमई	२०१३	३०	२७	१	५	२	६	१५	२८	८९	८	१२	७	२९	४८	९६
बीटी	२०१५	३०	९	७	७	१	३	५	१६	१४	९	७	१	१०	५	२३
योग		२१५	१६३	२५	४५	२०	५४	६७	१८८	५३८	९४	९७	५८	१८७	२९०	६३२

बी०टी० - जैव प्रौद्योगिकी, **सी०ई०** सिविल इंजीनियरी, **सी०एस०ई०** - संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, **ई०सी०ई०** आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी **एम०ई०** यांत्रिक अभियांत्रिकी

२०१७-१८ में बी०टेक० की विभागवार संख्या



एम०टेक० कार्यक्रम – अगले चार्ट में विधानुसार एम०टेक के छात्रों के नामांकन की संख्या प्रदर्शित है जिसमें हमने प्रवेशार्थियों की संख्या, लिंगानुपात और जाति आधारित विघटक की चर्चा (२०१७-१८) की है और २०१७-१८ के अकादमिक सत्र में विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध संख्या प्रदर्शित की है।

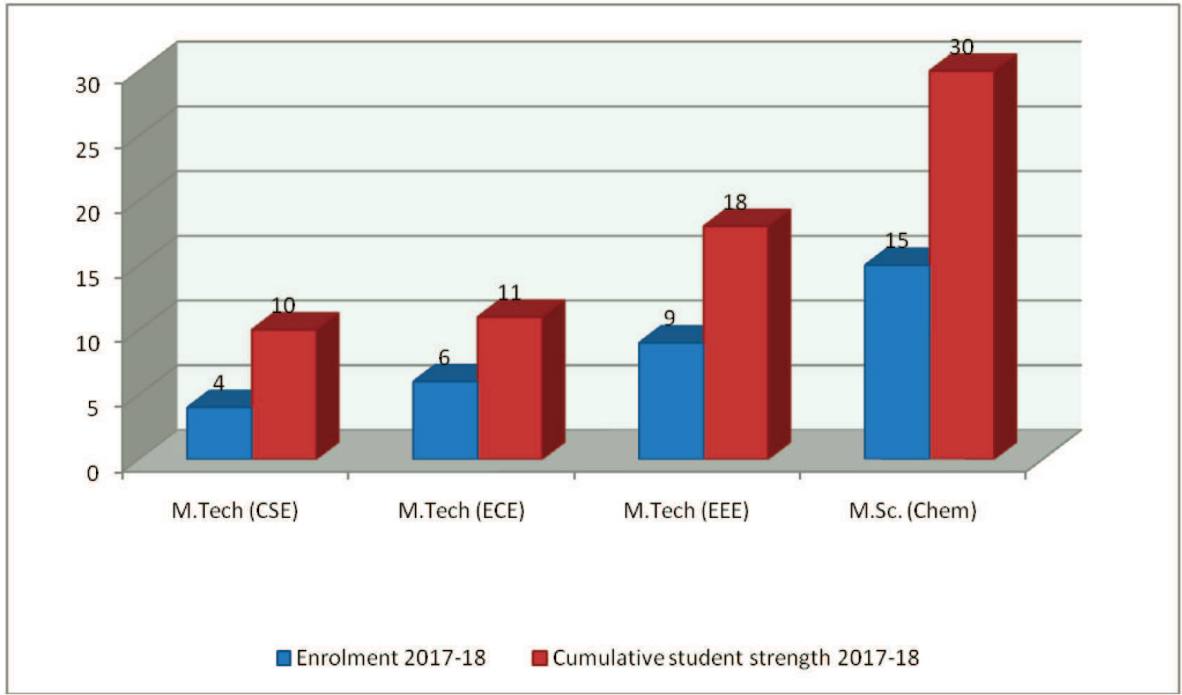
विशेष	प्रवेशारंभ वर्ष	प्रवेश क्षमता	२०१७-१८ में नामांकन							छात्रों की कुल स्थयी क्षमता						
			म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग	म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग
सीएसई	२०१५	१५	२	२	०	०	०	४	४	८	२	१	०	२	७	१०
ईसीई	२०१६	१५	६	०	०	०	०	६	६	११	०	०	०	०	११	११
ईईई	२०१४	१५	९	०	१	०	५	३	९	१६	२	२	०	८	८	१८
योग		४५	१७	२	१	०	५	१३	१९	३५	४	३	०	१०	२६	३९

एम०एस०सी० कार्यक्रम : निम्न चार्ट में एम०एस०सी० रसायन में प्रवेश क्षमता, लिंग एवं जाति आधारित छात्रों की संख्या (२०१७-१८) प्रदर्शित है।

विशेष	प्रवेशारंभ वर्ष	प्रवेश क्षमता	नामांकन २०१७-१८							छात्रों की कुल संचयी क्षमता						
			म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग	म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग
रसायन	२०१७	१५	९	६	३	०	६	६	१५	२०	१०	५	१	१३	११	३०
योग		१५	९	६	३	०	६	६	१५	२०	१०	५	१	१३	११	३०



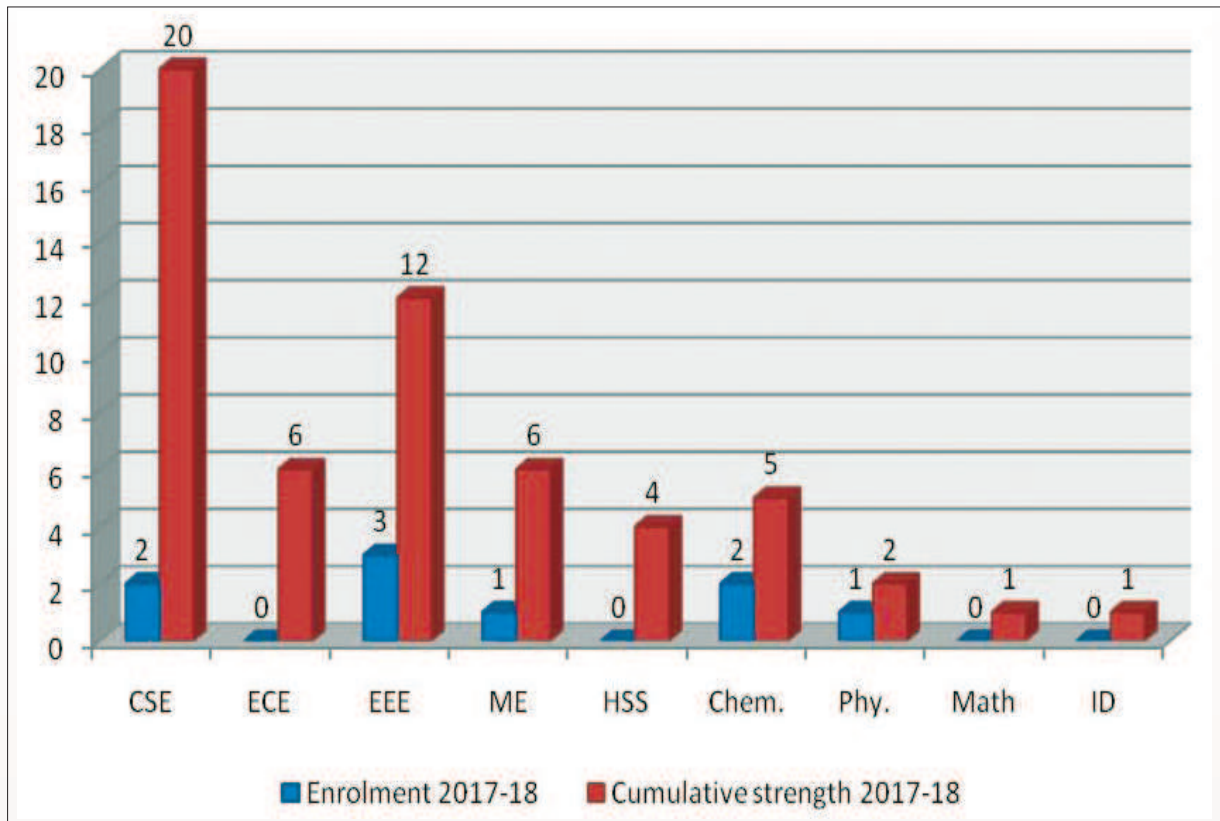
विभागानुसार एम०टेक/एम०एस-सी० के छात्रों की संख्या



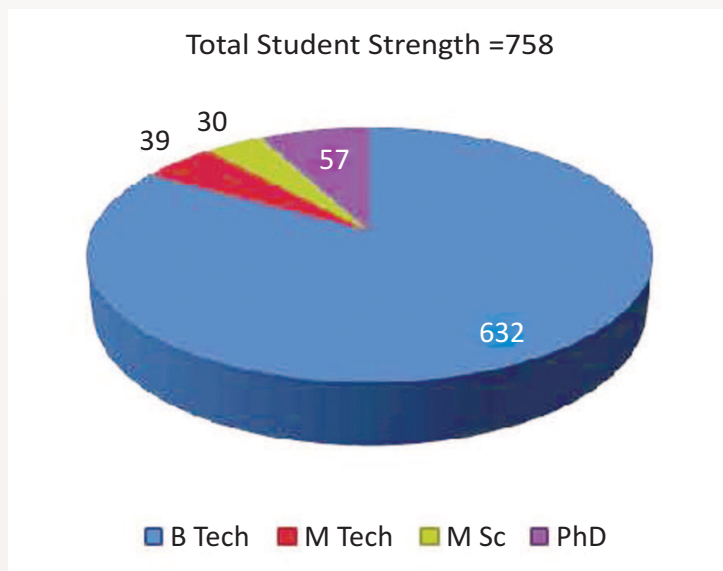
पी०एच०डी० कार्यक्रम : इस चार्ट में अकादमिक सत्र २०१७-१८ में विभागानुसार पी०एच०डी० कार्यक्रम में लिंग एवं जाति आधारित छात्रों की संख्या प्रदर्शित है।

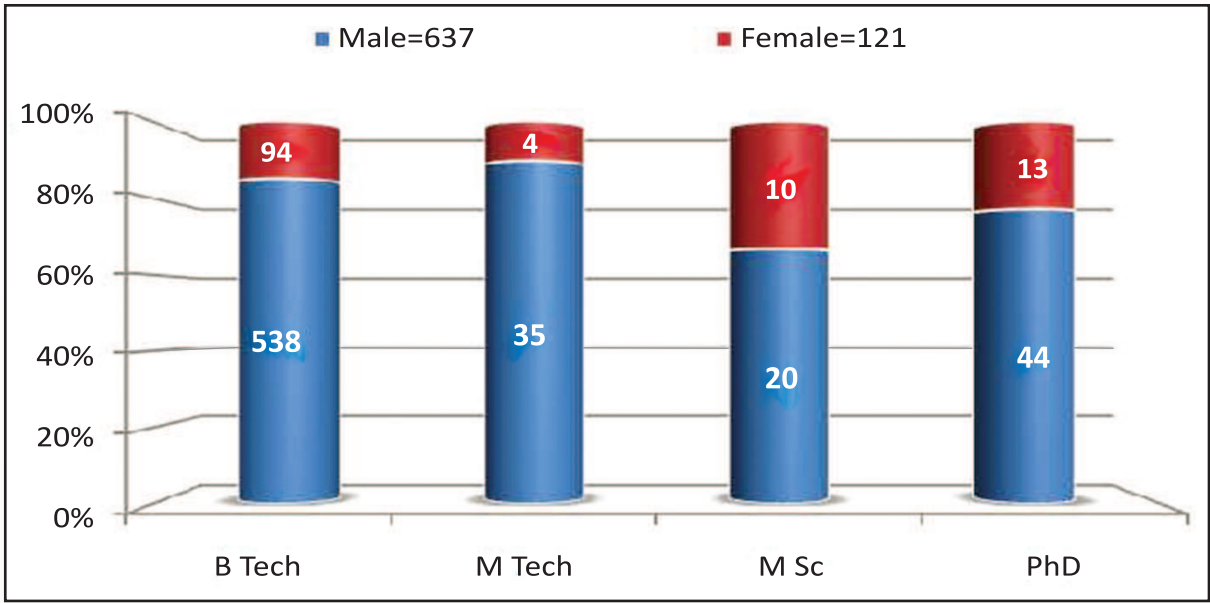
शाखा	प्रवेशारंभ	नामांकन १०२७-१८							छात्रों की कुल समुच्चयन संख्या						
		म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग	म०	पु	अनु० जाति	अ०जन जाति	पिछड़ी जाति	सामान्य	योग
सीएसई		१	१	१	०	०	१	२	१७	३	५	१	४	१०	२०
ईसीई		०	०	०	०	०	०	०	२	४	१	०	१	४	६
ईईई		३	०	०	०	०	३	३	११	१	१	०	२	९	१२
एमई		१	०	०	०	०	१	१	६	०	०	०	२	४	६
एचएसएस		०	०	०	०	०	०	०	१	३	०	०	२	२	४
रसायन		१	१	०	१	०	१	२	४	१	०	२	१	२	५
भौतिक		१	०	०	०	०	१	१	२	०	०	०	१	१	२
गणित		०	०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	१	०	१
आईडी		०	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	१	१
योग		७	२	१	१	०	७	९	४४	१३	७	३	१४	३३	५७

विभागानुसार पी०एच०डी० प्रवेशियों की संख्या



इस चार्ट में लिंगानुसार छात्रों की संख्या प्रदर्शित है।





५. शिक्षा शुल्क एवं आधित्याग

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुसार उपलब्ध अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों का शिक्षण शुल्क की पूरी छूट प्रदान करता है।

बी०टेक के छात्र जिनकी पारिवारिक आय एक लाख रूपये से कम है, वे शिक्षा शुल्क से मुक्त है। जिन छात्रों की उनकी पारिवारिक आय ५ लाख रूपये से कम है उन्हें २०१६ से उनके शिक्षण शुल्क में दो तिहाई छूट प्रदान की जाती है। यह प्रावधान मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक ३२/२०१४ टी०एस०आई०आई०आई० के अंतर्गत निहित है।

एम०टेक के जिन विद्यार्थियों ने गेट (गेट) परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है उन्हें अध्येता वृत्ति प्रदान की जाती है जिससे कि वे अपनी पी० एच० डी० की उपाधिक अर्जित कर सके। संस्थान के शेष प्रवीण विद्यार्थियों को विभिन्न एजेन्सियों के माध्यम से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

६. एम०टेक द्वि वर्षीय कार्यक्रम में विशिष्टता

पाठ्यक्रम	सत्र वर्ष		दो वर्ष		योग
सी०एस०ई० (सूचना सुरक्षा)	१५	६	१५	०४	१०
ई०ई०ई० (नियंत्रण) शक्ति और वैधुत संचालित	१५	५	१५	०६	११
ई०सी०ई० (माइक्रो इलेक्ट्रानिक्स एवं वी०एल०एस०ई० डिजाइन)	१५	९	१५	९	१८

(ड) संकाय एवं कर्मचारीगण

मंत्रालय द्वारा लागू किए गए मानकों के अनुसार सी०एफ०टी०आई० द्वारा विद्यार्थी संकाय का अनुपात १२:१ बनाए रखना चाहिए। वर्तमान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में प्रवेशी छात्रों (पी०एच०डी० छात्रों के अतिरिक्त ९८०) के अनुकूल संकाय सदस्यों की संख्या ८४ होनी चाहिए। फिलहाल मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा ३८ संकाय पद स्वीकृत है।



अतः सिक्किम राज्य एवं शेष भारत के प्रवेशियों की बढ़ती जरूरत के मद्देनजर ४० अतिरिक्त संकाय पदों के सृजन की आवश्यकता है उनका विवरण निम्नवतः है। मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार से अतिरिक्त संकाय पदों के स्वीकृति की प्रार्थना की जा चुकी है।

संवर्ग	स्वीकृत पद	सृजित किए जाने वाले पद	संचयी पद
सहायक प्रोफेसर	२२	२३	४५
एसोसिएट प्रोफेसर	११	११	२२
प्रोफेसर	०५	०९	११
योग	३८	४०	७८



संकाय के सदस्यों की सूची

क्रमांक	नाम	विभाग
१	डा० संग्राम राय	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
२	डा० प्रत्याय कुइला	
३	मु० सरफराज आलम अंसारी	
४	श्रीमती गोपा भौमिक	
५	श्रीमती रेश्मी धारा	
६	श्री बी० बालाजी नाईक	
७	श्री तरुण बिश्वास	
८	श्री पंकज कुमार केसरवानी	
९	डा० संजय कुमार ज्ञाना	आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी
१०	श्री हेमन्त कुमार कठानिया	
११	श्री सुरजीत कुण्डु	
१२	डा० अंजन कुमार राय	वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी
१३	डा० सौरभ मल्लिक	
१४	डॉ० अरविन्द पांडा	
१५	डा० प्रदीप कुमार	
१६	श्री मलय राय	
१७	डा० शम्भू नाथ बर्मन	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
१८	डा० रंजन बसाक	
१९	डा० प्रणव कुमार कुंडू	
२०	डा० अमित कुमार दास	सिविल अभियांत्रिकी
२१	डा० रवि श्रीवास्तव	गणित
२२	डा० ओम प्रकाश	
२३	डा० मो० नूरुज्जमान	भौतिकी
२४	डा० अनिन्द्य बिस्वास	
२५	डा० तारकनाथ कुंडू	रसायन
२६	डा० अचिंतेश नारायण बिस्वास	
२७	डा० सुमित साहा	
२८	डा० धनंजय त्रिपाठी	मानविकी एवं समाज विज्ञान



इसके अतिरिक्त संस्थान के समुचित संचालन हेतु संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय को बारंबार प्रार्थनाएं प्रेषित की हैं कि वह गैर शिक्षण ४९ पदों को सृजित करें। वर्तमान में स्वीकृत पदों की संख्या केवल ३७ है। जिनका विवरण निम्न है :

क्रमांक	संवर्ग	स्वीकृत पद	पद जो सृजित किए जाने हैं	मद समुच्चय
१	कुलसचिव	०१	००	०१
२	उप कुलसचिव	००	०१	०१
३	सहायक कुलसचिव	०१	०२	०३
४	उप पुस्तकालयाध्यक्ष	००	०१	०१
५	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	०१	००	०१
६	वरिष्ठ विद्यार्थियों की गतिविधियों से सम्बद्ध खेल-कूद अधिकारी/सहायक अभियंता	०१	००	०१
७	कार्यकारी अभियंता	०१	००	०१
८	चिकित्सा अधिकारी	००	०१	०१
९	तकनीकीशियन (चयन ग्रेड-१), प्रयोगशाला सहायक (चयन ग्रेड-१)	००	०५	०५
१०	तकनीकी सहायक कनिष्ठ अभियंता	०८	०२	१०
११	एसएस सहायक	००	००	००
१२	नर्स	०१	०२	०३
१३	लेखा अधीक्षक	०३	०२	०५
१४	निजी सहायक	००	०१	०१
१५	तकनीशियन/लैब/सहायक कार्य सहायक	१०	१६	२६
१६	कनिष्ठ सहायक	०५	०७	१२
१७	स्टेनोग्राफर	०१	००	०१
१८	फार्मेसिस्ट	००	०१	०१
१९	बहु कार्य कर्मचारीगण	०४	०८	१२
		३७	४९	८६

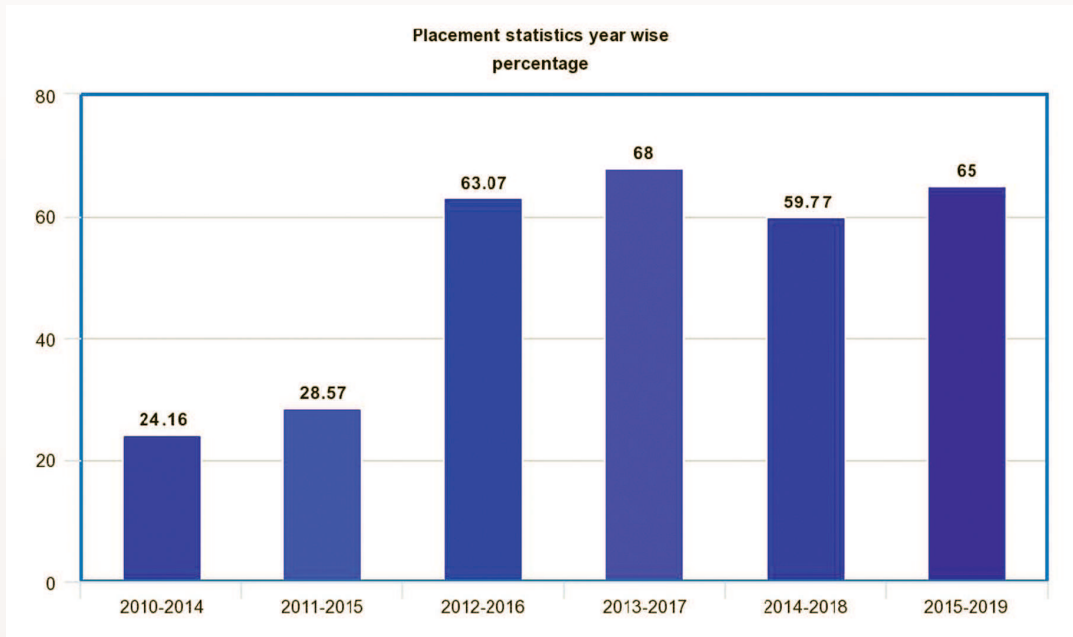
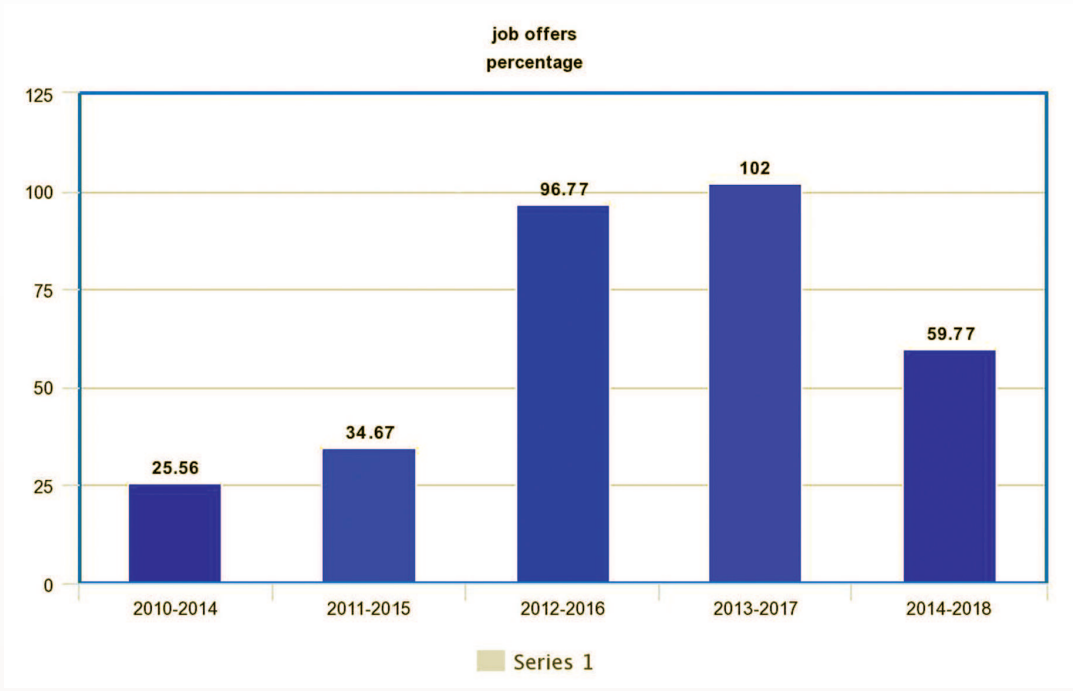


कर्मचारीगणों की सूची

क्रमांक	संवर्ग	स्वीकृत पद
१	श्री बापी मंडल	निदेशक कार्यालय मे कनिष्ठ सहायक
२	श्री अमित तमांग	तकनीकी सहायक, आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी
३	श्री अमित मैती	तकनीशियन, यांत्रिक अभियांत्रिकी
४	श्रीमती निशिता छेत्री	कनिष्ठ सहायक, ज्ञान एवं सूचना केन्द्र
५	श्री सुभोदास	तकनीकी सहायक, सिविल
६	श्री अमृत शर्मा	कनिष्ठ अभियंता, विद्युत
७	श्रीमती पूनम सिंह	बहुउद्देशीय कर्मचारी, एफ.आई.सी.एम.ए. कार्यालय
८	श्री भरत प्रधान	कनिष्ठ सहायक, लेखा विभाग
९	कु० सुजाता डुंगाना	कनिष्ठ सहायक, कुल सचिव कार्यालय
१०	श्री सुमन पाठक	प्रयोगशाला सहायक, रसायन विभाग
११	श्री हैप्पी मंडल	प्रयोगशाला सहायक भौतिकी विभाग
१२	श्रीमती चंद्रमा मजूमदार	तकनीशियन, जीव विज्ञान
१३	कु० क्षिरिंग जांग्मो भूटिया	कनिष्ठ सहायक, अधिष्ठाता छात्र कार्यालय
१४	कु० सोनम सी तमांग	एम०टी०एस, अधिष्ठाता अकादमिक कार्यालय
१५	सिद्धार्थ प्रधान	प्रयोगशाला सहायक, आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी
१६	कु० सहेली साहा	कनिष्ठ अभियन्ता सिविल
१७	कु० दीपिका छेत्री	तकनीकी सहायक, वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी
१८	श्री मनीष कुमार	प्रयोगशाला तकनीशियन, वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी
१९	श्रीमती जेनिता जोसफ	लेखाकार
२०	कु० चंदा मोकतन	तकनीशियन, सिविल
२१	श्री तपन छेत्री	तकनीशियन प्रयोगशाला, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

(च) प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ

प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ विद्यार्थियों के नियोजन एवं प्रशिक्षण के लिए उत्तरदायी है। दूर-सुदूर होने के बावजूद प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ सभी सुबंधित गतिविधियों के समन्वयन हेतु सक्रिय है। विद्यार्थियों से संबंधित कुछ प्रमुख समस्याएं उनके व्यावहारिक प्रशिक्षण, परिसर नियोजन, पूल परिसर में प्रेरित समन्वयन संबंधी है। प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ इंटरनेशिप कार्यक्रमों की सुविधाएं प्रदान करता है। और विभिन्न कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। ताकि विद्यार्थियों के तकनीकी और कौशल विकास में सुधार हो सके।



शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ में शाखा-वार छात्रों का चयन

पाठ्यक्रम	शाखा	कुल विद्यार्थी	नियुक्त
बी०टेक	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	२२	१७
बी०टेक	आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी	१४	६
बी०टेक	यांत्रिक अभियांत्रिकी	१८	१०
बी०टेक	वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी	२०	१२
बी०टेक	सिविल अभियांत्रिकी	१३	१
	योग	८७	४६



प्रशिक्षु कार्यक्रम

अकादमिक सत्र २०१७-१८ के दौरान द्वितीय एवं तृतीय वर्ष १०५ विद्यार्थियों को बी० टेक कार्यक्रम हेतु ग्रीष्म कालीन अवकाश में इंटर्नशिप दी गई है।

क्रमांक	संवर्ग	स्वीकृत पद	स्वीकृत पद
१	गूगल समर ऑफ कोड	सी एस ई	१
२	राष्ट्रीय सन यत-सेन विश्वविद्यालय ताइवान	सी एस ई	२
३	जी के डब्ल्यू सिक्किम	ई सी ई	५
४	रैमके इंफ्रा हैदराबाद	सी ई	५
५	एई काम, कोलकाता	सी ई	४
६	पावर ग्रिड, सिक्किम	सी ई	५
७	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बंबई	सी एस ई, सी एस ई	१०
८	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, वाराणसी	सी ई	२
९	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गांधी नगर	सी ई, ई सी ई, एम ई	४
१०	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी	एम ई	३
११	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मंडी	एम ई	१
१२	पी०ओ०एस०ओ०एस०सी०ओ० मुंबई	ई ई ई	२
१३	पी एस सी एल, पंजाब	ई ई ई	२
१४	प्लाज्मा शोध संस्थान, गुजरात	ई ई ई	१
१५	बी एस पी टी सी एल, बिहार	ई ई ई	१२
१६	पी जी सी एल आई, सिक्किम	ई ई ई, सी ई	७
१७	एन एच पी सी, सिक्किम	ई ई ई, सी ई	३
१८	भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड, बंगलौर	ई सी ई	१
१९	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जोधपुर	ई सी ई	
२०	सेंटर फॉर एडवांस्टेड कंप्यूटिंग बंगलौर एवं सिलचर	डेवलपमेंट एंड ई सी ई, सी एस ई	२
२१	आई०आई०ई०एस०टी०, शिवपुर	ई सी ई	३
२२	डी० एल० डब्ल्यू, वाराणसी	एम ई	९
२३	भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर	सी एस ई	१
२४	वादस फर्स्ट्री हैदराबाद	सी एस ई	१
२५	सेंटर फार डिवलेपमेंट ऑफ एडवांस्टेड कंप्यूटिंग पुणे	सी एस ई	४
२६	राष्ट्रीय इंधन समिश्चरण, हैदराबाद	एम ई	६
२७	एन फार्मा, सिक्किम, पंजाब	एम ई, ई ई ई	३
२८	सी एस आई आर - सी एम आई ई, दुर्गापुर	एम ई	१
२९	सी एस आई आर - एस ई आर सी, चेन्नई	एम ई	१
३०	एन ई एस ए सी, शिलांग	सी.ई., इ.सी.ई., सी.एस.ई	४

कार्यशालाएं एवं वार्ताएं

वर्ष २०१७-१८ के दौरान प्राख्यात शिक्षाविदों एवं उद्योग जगत से संलग्न व्यक्तियों के सहयोग से कार्यशालाओं एवं विशिष्ट व्याख्यानो का आयोजन किया।

कार्यशालाएं

क्रमांक	संदर्भ विशेषज्ञ	शीर्षक	दिनांक
१	श्री नील बनर्जी (ए०ई० कॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड)	सेतु एवं परिवहन इंजीनियरिंग जो सिविल इंजीनियरी हेतु आवश्यक सॉफ्टवेयर का निर्माण करती है।	२४ अप्रैल, २०१८
२	श्री अविरल सिन्हा (अध्यक्ष, इमेज बूस्टर, एन०आर०सी०)	जी०डी० एवं पी०आई० के विद्यार्थियों से निर्गमित प्रत्याशाएं	१ फरवरी, २०१८

वार्ताएं

क्रमांक	संदर्भ विशेषज्ञ	शीर्षक	दिनांक
१	डॉ० टी० आर० केम, पूर्व अध्यक्ष, सी.ई.सी., यू.जी.सी.	भारतीय उच्च शिक्षा	१९ अप्रैल, २०१८
२	कै० एस० सी० दास भारतीय नौसेना	भारतीय नौसेना को व्यवहार्य करियर विकल्प के रूप में चुनना	३ मई, २०१८

प्रशिक्षण एवं स्थान प्रकोष्ठ वेब साइट

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के प्रशिक्षण एवं स्थापन (नियोजन) का होम पेज

प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ ने अपने नए वेबसाइट की संरचना की है। हमारी वेब साइट प्रशिक्षण एवं स्थापन सम्बंधी गतिविधियों को अद्यतन (अपडेट) करती रहती है जो नियोजकों और नौकरी पाने के इच्छुक दोनों के लिए समान रूप से उपादेय है। हमारी वेब साइट नियोजकों को हमारे प्रशिक्षण एवं स्थापन प्रकोष्ठ से जुड़ने के लिए एक प्रभावी मंच है।



७. परिसर की जीवन्तता

छात्रावास का स्थान

जैसा कि संस्थान अस्थायी परिसर में स्थित है। परिसर के भीतर छात्रावास का स्थान सीमित है। हालांकि छात्रावास की सुविधा, कैम्पस के भीतर एवं बाहर सभी पंजीकृत बी०टेक०/एम०टेक० एवं एम०एस०सी० छात्रों को उपलब्ध कराया जाता है। सभी छात्रावास/कमरे आवश्यक फर्नीचर तथा सुविधाओं से सुसज्जित है। परिसर के अन्दर का छात्रावास सभी सुविधा से युक्त है। छात्रों को सुविधाएं जैसे टी०वी० व्यायामशाला तथा खेलों की सुविधाएं भी दी जाती है।

(i) परिसर के अन्दर के छात्रावास का विवरण :

परिसर के अन्दर के मुख्य वार्डन - डा०ओम प्रकाश

छात्रों के लिए छात्रावास

क्रम सं०	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	निवासियों की संख्या	वार्डन
१	प्रीफैब-१	३४	१२४	डा० सायंतन मंडल
२	प्रीफैब-२	३२	८४	हेमंत कुमार कठानिया
३	प्रीफैब-३	६	२६	बी० बालाजी नाइक
४	बी०एच०-४	६	२६	
५	बी०एच०-५	६	२६	

छात्राओं के लिए छात्रावास

सभी छात्राओं को कैम्पस के भीतर छात्रावास में निम्नवत् स्थान दिया जाता है।

क्रम सं०	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	निवासियों की संख्या	वार्डन
१	जीएच-१	६	२४	श्रीमती रेश्मी धारा
२	जीएच-२	४	१६	श्रीमती गोपा भौमिक
३	जीएच-३	६	२०	डा० संगीता देब बर्मन
४	जीएच-४	६	१९	
५	एफए-२	२	८	
६	एफए-३	२	८	

(ii) परिसर संकलन छात्रों का छात्रावास

प्रथम वर्ष के बी०टेक०/एम०टेक० एवं एम०एस०सी० के छात्रों के लिए रावंगला में किराये पर ०३ भवन लेकर रहने की व्यवस्था है। अन्य कैम्पस से अलग छात्रावासों में रहने वाले छात्रों के लिए बस की सुविधा प्रदान की जाती है।

मुख्य वार्डन – (परिसर के बाहर) डा० देबाजीत साहा

क्रम सं०	छात्रावास का नाम	कमरों की संख्या	निवासियों की संख्या	वार्डन
१	बी०एच०-१०	२२	४५	डा० कुन्तल मण्डल
२	बी०एच०-११	१७	२८	डा० अमन दास मि० अनिन्या मलास
३	बी०एच०-१२	३२	११५	मि० बप्पादित्या मि० मण्डल

(iii) भोजनालय सुविधाएं

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में विद्यार्थियों हेतु ४ छात्र भोजनालय है। इनमें से एक भोजनालय महिला छात्रों के लिए निमित्त है और शेष विभिन्न छात्रावासों में संचालित भोजनालय बालकों के लिए है। प्रमुख छात्रावास अध्यक्ष (वार्डन) एवं अन्य अध्यक्षों के निरीक्षण में विद्यार्थी भोजनालय समिति गठित की गई है जो इस बात को सुनिश्चित करती है कि भोजनालय संचालक द्वारा प्रदत्त सेवाओं की गुणवत्ता और उसकी निरंतरता बरकरार है।

(iv) मनोरंजन एवं क्रीडा

अस्थायी परिसर में स्थानाभाव के बावजूद विद्यार्थियों के मनोरंजन, खेल-कूद संबंधी सुविधाएं प्रदत्त करने हेतु प्रयास किए गए हैं। विद्यार्थियों को एक बहु व्यायामशाला प्रदान की गयी है। पूरे वर्ष तक संस्थान द्वारा निमित्त बहुआयामी कार्यक्रमों जैसे, सांस्कृतिक, साहित्यिक, खेल कूद एवं क्रीडा का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया।

विद्यार्थियों को हम इस बात के लिए प्रोत्साहित करते हैं और आवश्यक सहायताएं भी प्रदान करते हैं कि वे अंतर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की खेल कूद, सांस्कृतिक एवं तकनीकी गतिविधियों में प्रतिभागिता कर सकें।

(v) छात्रवृत्तियां

राष्ट्रीय महत् के एक संस्थान होने के कारण राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान छात्रवृत्तियां प्रदान करता है। यह वृत्ति सामाजिक न्याय एवं समर्थन मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रदत्त की जाती है। जन जाति कार्य मंत्रालय द्वारा यह छात्र वृत्ति अनुसूचित जाति के छात्रों के निमित्त है। अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को क्रमशः विभिन्न राज्यों में छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती है। अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को अन्य पोषित एजेसियां जैसे फाउंडेशन फार एकेडमिक एवं एस०एस० स्वामी संचालन चेरिटेबल एजुकेशन फाउन्डेशन एस आर जिंदल छात्रवृत्ति, सैमसंग स्टार छात्र वृत्ति प्रदान की जाती है।

८. अस्थायी परिसर में आधारभूत संरचना विकास -

संस्थान में जगह की कमी तथा प्रतिकूल जलवायु संबंधी स्थिति के कारण न्यूनतम आवास पर आधारभूत संरचना को बनाने का प्रयास किया जा रहा है। सिक्किम का संपदन अनुभाग सभी आधार भूत संरचना संबंधी क्रियाकलापों का प्रबंध देखता है। संस्थान को विगत ८ वर्षों से अस्थायी परिसर में संचालित किया जा रहा है तथा आवश्यक शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्रियाकलापों को संपादित करने के लिए कैम्पस के मरम्मत का



अनुरक्षण की आवश्यकता पड़ती रहती है। आगे सिक्किम सरकार तथा शासी मंडल के अनुमोदन से छात्रों के लिए आवश्यक तथा मूलभूत प्रयोगशालाओं एवं अन्य आधारभूत संरचना को उपलब्ध कराने हेतु अस्थायी शेड का निर्माण आरंभ किया गया है।

वर्ष २०१७-१८ में संस्थान ने निम्न प्रोजेक्ट आरंभ किया है जो या तो निर्माणाधीन है या पूरा हो गया है।

(क) पुराने पुस्तकालय के पीछे की तरफ प्रतिधारक दीवार का पुनर्निर्माण - पुराने पुस्तकालय के पीछे की तरफ प्रतिधारक दीवार पिछले मानसून मौसम के दौरा क्षतिग्रस्त हो गयी थी। जिसके पुर्ननिर्माण का कार्य सी०पी०डब्लू०डी० को सौंपा गया था तथा जो सफलता पूर्वक पूरा हो गया है।

(ख) प्रेक्षक छात्रावास के निकट हैण्डरेलिंग लगाने तथा नाले का निर्माण - यह कार्य सी०पी०डब्लू०डी० को सौंपा गया था तथा सी०पी०डब्लू०डी० द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

(ग) खेल के मैदान का निर्माण - छात्रों के खेल क्रियाकलापों हेतु खेल के मैदान के निर्माण की काफी आवश्यकता थी तथा सी०पी०डब्लू०डी० को दिया गया था। अधिकांश कार्य को सी०पी०डब्लू०डी० द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।



प्रतिधारक दीवार का पुनर्निर्माण



रलिंग



खेल का मैदान



बाहरी रंगाई

(घ) वर्तमान पुराने भवन की बाहरी रंगाई - राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के पुराने भवन के बाहरी रंगाई का काम सी०पी०डब्लू०डी० को दिया गया था। इसे सी०पी०डब्लू०डी० द्वारा सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।

(इ) **वर्कशाप शेड-२ की प्रगति** - पूर्व निर्मित शेड-२ जिसका उपयोग प्रयोगशाला तथा अन्य शैक्षणिक प्रयोजन हेतु किया जाना है, का यह निर्माण कार्य सी०पी०डब्लू०डी० को दिया गया है तथा इस कार्य की प्रगति संतोष जनक नहीं है, इस कार्य का विस्तार करने के लिए सी०पी०डब्लू०डी० को सूचित किया गया है।

(च) **प्रीफैब छात्रावास तथा खेल के मैदान के निकट स्लाईटी फिटिंग स्टील लाईट की स्थापना** - प्रीफैब छात्रावास - २ तथा खेल के मैदान के निकट एल०ई०डी० फिटिंग स्टील लाईट की स्थापना को सी०पी०डब्लू०डी० द्वारा सफलता पूर्वक पूरा किया गया है।

(छ) **लड़कों का पुराना मेस जिसका अब उपयोग यांत्रिक प्रयोगशाला के रूप में किया जाना है की मरम्मत** - यह कार्य सी०पी०डब्लू०डी० को दिया गया था तथा कार्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है। यांत्रिक प्रयोगशाला की आवश्यकतानुसार विद्युत पैनल के साथ विद्युत फिटिंग की भी स्थापना सी०पी०डब्लू०डी० द्वारा की गई थी।



पूर्व निर्मित शेड-I



सड़क प्रकाश व्यवस्था हेतु एल.ई.डा. स्थापन



बालकों के पुराने मेस का नवीनीकरण करके उसे अब यांत्रिक प्रयोगशाला के रूप में प्रयुक्त किया जायेगा



१. केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय सिक्किम के शैक्षणिक तथा शोध क्रियाकलापों का अभिन्न अंग हैं। जो ज्ञान तथा सूचना केन्द्र के रूप में वैज्ञानिक जानकारी, शोध सहयोग तथा अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु २०१२ में स्थापित किया गया था। इसका उद्देश्य अपने आवश्यक सुविधाओं के द्वारा इनके अध्ययन की जरूरत को पूरा करने के लिए अपने उपयोगकर्ताओं को प्रभावशाली सेवाएं देना है। यह राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के शैक्षणिक बंधुत्व तथा छात्रों के आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रिंट तथा डिजिटल दोनों रूपों में संसाधनों के संग्रह के पहलुओं में फैल एवं बढ़ रहा है। पुस्तकालय छात्रों ग्राहकों पाठ्यपुस्तक तथा खंड की पुस्तकों का परिचालन फोटो कापी, प्रिंटिंग तथा स्कैनिंग सेवाओं जैसी विभिन्न सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। हालांकि स्थान अत्यधिक सीमित है तथा छात्रों के लिए अधिक अध्ययन संसाधनों की आवश्यकता हैं कुछ सुविधाओं को निम्नवत् संक्षेपित किया जाता है

संग्रह - केन्द्रीय पुस्तकालय संग्रह में प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक संसाधन हैं।

(क) प्रिंट संग्रह

केन्द्रीय पुस्तकालय में पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ पुस्तकों, विश्व कोष, खण्ड कोष, जर्नल, आदि का अच्छा संग्रह है।

(ख) इलेक्ट्रॉनिक संग्रह

संबंधित विभागों जिसमें अभियांत्रिकी एवं सामान्य विज्ञान विभाग शामिल है जरूरतों को पूरा करने के लिए केन्द्रीय पुस्तकालय में समृद्ध इलेक्ट्रॉनिक संसाधन है।

अनुमोदित ई-संसाधन निम्नवत है

१. पूर्ण टेक्स्ट डाटा बेस

(क) साइंस डायरेक्ट

(ख) आई०ई०ई०ई०

(ग) स्प्रिंगर नेचर

२. विषय ग्रंथ सूची डाटा बेस जैसे साइंस-फाइंडर

३. ई-बुक्स -

केन्द्रीय पुस्तकालय ४ किन्डल ई-बुक रीडर्स के साथ ई-बुक किन्डल ई-बुक का स्वत्वाधिकार रखता है।

(ग) अन्य सुविधाएं -

यह फोटो कापी, प्रिंटिंग तथा स्कैनिंग सुविधाओं के रूप विधिवत सुसज्जित है। पुस्तकालय स्वचलन साफ्टवेयर (किससस-७) से पूर्णतः संचालित है। पुस्तकों का परिचालन बार कोड प्रणाली के जरिए किया जाता है।

८. परीक्षाएं एवं आकलन

संस्था का अपना एक परीक्षा प्रकोष्ठ है, जो विभिन्न परीक्षाओं के आयोजन, मूल्यांकन और विद्यार्थियों के परीक्षा संबंधी गतिविधियों के लिए उत्तरदायी है। सत्र २०१७-१८ के दौरान आयोजित मूल्यांकन प्रमाण-पत्र निम्नवत है -

बी.टेक. परीक्षा परिणाम (१.०४.२०१८ - ३१.३.२०१८)

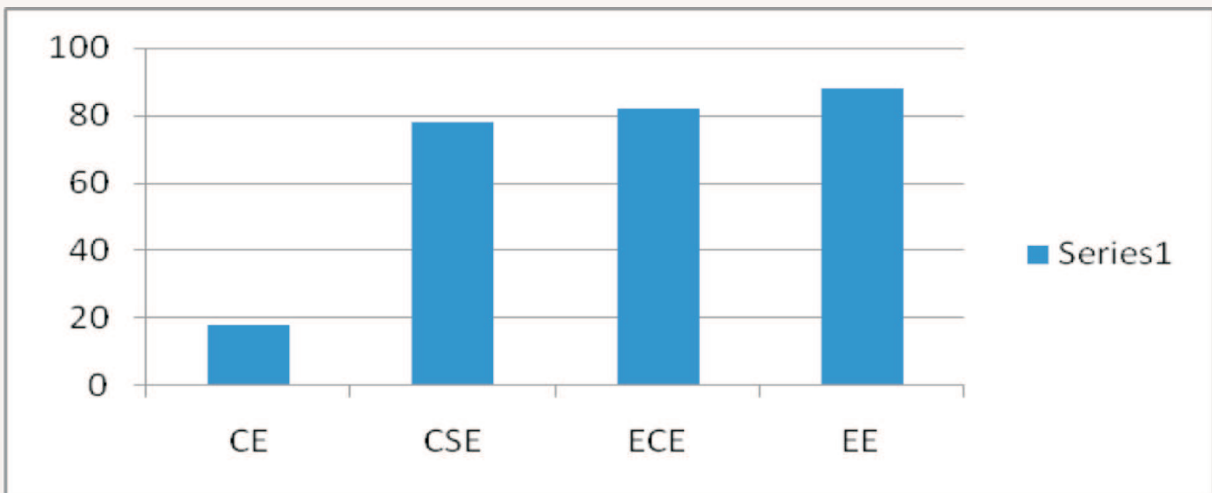
क्रमांक	शाखा	परीक्षा में बैठे छात्र	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	योग	प्रतिशतता
१	सिविल अभियांत्रिकी	१८	१८	०	१८	१००
२	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	१८	१७	१	१८	१००
३	आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी	१२	११	१	१२	१००
४	वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी	११	१०	१	११	१००

एम.टेक. के परीक्षा परिणाम (१.४.२०१७ - ३१.३.२०१८)

क्रमांक	शाखा	परीक्षा में उपस्थित छात्र	प्रथम श्रेणी	द्वितीय श्रेणी	योग	उत्तीर्ण छात्रों की प्रतिशतता
१	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	६	६	०	६	१००

३१.०३.२०१८ तक प्रदत्त उपाधियां (बी.टेक.)

क्रमांक	शाखा	योग
१	सिविल अभियांत्रिकी	१८
२	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	७८
३	आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी	८२
४	वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी	८८
कुल प्रदत्त उपाधियां		२६६





३१.०३.२०१८ तक (एम.टेक.) प्रदत्त उपाधियां

क्रमांक	शाखा	योग
१	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	६

१०. चिकित्सकीय सुविधाएं :

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम के परिसर में ही एक स्वास्थ्य इकाई है जो प्रातः ८ बजे से लेकर सायं ६ बजे र अपनी प्रतिदिन सेवाएं प्रदान करती हैं। चिकित्सीय आपात स्थिति में इस इकाई की सभी सेवाएं किसी भी समय उपलब्ध हैं। इस इकाई से संस्थान के विद्यार्थी एवं स्टाफ कर्मी ओ.पी.डी. उपचार एवं औषधियां निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं। अंतराल के अनुसार चार चिकित्सा परामर्शियों (दो सामान्य चिकित्सक, एक हड्डी रोग एवं एक कान, नाक, गला रोग विशेषज्ञ) इस इकाई में व्याधि पीड़ितों के देखने के लिए आते रहते हैं। यहां पर एक समर्पित नर्सिंग टीम भी उपलब्ध है जो प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड, ड्रेसिंग, शिराओं में द्रव चढ़ाने, रक्त चाप, नाड़ी की गति, शरीर के वजन की माप जैसी) सेवाएं प्रदान करते हैं। विद्यार्थी एवं स्टाफ के सगस्यों के लिए फर्स्ट एड कि के साथ एक एम्बुलेन्स भी उपलब्ध रहती है। विद्यार्थियों के आई.पी.डी. उपचार हेतु चिकित्सा बीमा सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।



११. नवाचार प्रकोष्ठ

नवाचार प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को अपनी तकनीकी सृजन क्षमता का प्रदर्शन करने हेतु उत्साहित एवं समर्थित करता है। संस्थान के निम्नलिखित कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने हेतु एक मंच प्रदान करते हैं।

- अभियंत्रण २०१७ के दौरान वार्षिक तकनीकी प्रदर्शिनी
- अभियंत्रण २०१७ के दौरान शोध एवं नवाचार शिक्षा सम्मेलन

इस दौरान विद्यार्थीगण विभिन्न गतिविधियों तथा सौर बल्ब की फोटो टाइपिंग, परिसर की त्रिआयामी मॉडलिंग में संलग्न थे। ई.ई.ई. विभाग के द्वितीय वर्ष के छात्र प्रीतम कुमार ने राष्ट्रीय स्तर की नवाचार परियोजना की प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग किया जो एन.आई.टी., उत्तराखंड ने सौर बल्बों की परियोजना आयोजित की थी।

डॉ० अंजन कुमार राय (नवाचार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, प्रीतम कुमार (ई.ई.ई. के द्वितीय वर्ष के छात्र) को मार्च २०१८ में नवाचार उत्सव एवं इंटरशिप (एफ.आई.एन.ई.-फेस्टिवल ऑफ इनोवेशन एंड इंटरशिप) के दौरान राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया गया था। प्रीतम कुमार ने सौर बल्बों पर डॉ. कुन्तल मंडल के दिशा-निर्देशों में जो कार्य किया था, उसे नवाचार एवं इंटरशिप उत्सव में प्रदर्शन के लिए चुना गया।



राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम द्वारा राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली को नवाचार प्रदर्शन

१२. शैक्षणिक विभाग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग (सी०एस०ई०) ऐसा विभाग है जो वर्ष २०१० में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम के आरंभ से संचालित है। विभाग का लक्ष्य शिक्षण कार्य में उत्कृष्टता द्वारा सम्पूरित उल्लेखनीय शोध परिक्षेत्र उपबन्ध कराना है।

सी०एस०ई० विभाग चार वर्षीय बी०टेक० डिग्री, दो वर्षीय एम०टेक० डिग्री तथा पीएचडी प्रोग्राम प्रदान करता है। विभाग के पास इस प्रयोजन पर के साथ कम्प्यूटर साइंस के सभी पहलुओं से संबंधित विषयों पर व्यापक पाठ्यक्रम है जिसे अभियांत्रिकी के अद्यतन तकनीकों का प्रयोग करते हुए दिया जाता है। पाठ्यक्रम संरचना अद्यतन है तथा छात्रों एवं शिक्षकों के क्षेत्र में अद्यतन विकास से तैयार जो अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल है। यह संशय सदस्यों के विशेषतया पर आधारित अन्तर्वैचारिक एवं बहुवैचारिक प्रोजेक्ट को बढ़ाने के लिए भी प्रस्तावित है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए सामुदायिक विकास के क्षेत्र में विभिन्न अन्य संगठन के समन्वित प्रयास का प्रयोग करते हुए सिक्किम में विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में शोध क्रियाकलापों को उठाने तथा शोध समूह का निर्माण करने के लिए शोध के क्षेत्र किप्टोग्राफी, नेटवर्क सुरक्षा, समाचार विवरण तथा हार्डपरफार्मेंस कम्प्यूटिंग, इनफारमेटिक्स कम्प्यूटर एप्लीकेशन, सिस्टम, साफ्टवेयर, साफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग तथा वायरलेस एवं सेन्सर नेटवर्क है। विभाग में उच्च गति के इंटरनेट एवं नेटवर्क द्वारा समर्थित अत्याधुनिक आधार भूत संरचना है।

विभाग में स्कीम के अन्तर्गत विभिन्न प्रोजेक्ट के द्वारा समृद्ध शोध संस्कृति है जैसे विश्वेसरैया स्कीम, डी आई टी एवं डी एस टी प्रोजेक्ट ग्रांट, राष्ट्रीय हिमालय अध्ययन मिशन, पूर्वोत्तर क्षेत्र हेतु विभिन्न विराखरमद प्रोजेक्ट/विभाग स्थानीय समुदाय के वैज्ञानिक जीवन शैली विकास तथा उन्नत भारत योजना के द्वारा सामुदायिक विकास से भी योगदान करता है। (परमाणु ऊर्जा विभाग के स्कीम के अनुसार) वर्तमान में अस्थायी कैम्पस में प्रयोगशाला स्थान के अनुपलब्धता के कारण विभाग के पास सीमित प्रयोगशाला है। हालांकि आजकल प्रयोगशालाओं को स्थापित करने के लिए संस्थान में औद्योगिक शेड का निर्माण करते हुए अधिक स्थान बनाने का प्रयास कर रहा है।



प्रवेश आकड़ा

२०१७-१८	भर्ती किये जाने वाले छात्र	भर्ती हुए छात्र
बी०टेक०	४५	४४
एम०टेक०	१५	०४
पी०एच०डी०	१२	

विभाग द्वारा आफर किया गया प्रोग्राम/ पाठ्यक्रम

- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी०टेक०
- सूचना सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम०टेक०
- संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पी०एच०डी०

संकाय विवरण

क्रम सं०	नाम, पद नाम एवं शोध रूचि (रूचियां)
१	प्रो० महेश चन्द्र गोविल (director@nitsikkim.ac.in) निदेशक, एम०टेक (आईआईटी, रूड़की) पी०एच०डी० (आईआईटी, रूड़की) रियलटाइम सिस्टम, पैरेलल एण्ड डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम, फाल्ट टोलरेन्ट सिस्टम, क्लाउड कम्प्यूटिंग
२	प्रो० संग्राम राय (sray.cse@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर एवं एचओडी (आई/सी) पी०एच०डी० (आईआईटी, आईएसएम) धनबाद एम०टेक० (आईआईटी, धनबाद) क्रिप्टोग्राफी एवं सूचना सुरक्षा, परिषद की इन्फास्ट्रक्चर इलिप्टिक कर्व क्रिप्टोग्रामी कन्टेन्ट सेन्ट्रीक नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स
३	डा० प्रत्याय कुइला (pratyayuila@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर पी०एच०डी० (आईआईटी धनबाद (आईएसएम) एम०टेक० (एनआईटीटीटीआर कोलकाता) एल्गोरिथम डिजाइन, कम्पाइलर डिजाइन, आटोमेट थ्योरी, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग
४	मो० सरफराज आलम अंसारी (sarfaraj@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर एम०टेक (एनआईटी दुर्गापुर) पी०एच०डी० एनआईटी सिक्किम से जारी नेटवर्क टेक्नोलॉजी सूचना सुरक्षा एवं रिस्क मैनेजमेंट
५	श्री पंकज कुमार केसरवानी (Pankajkeserwani.cse@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर एमएस (आईआईटी इलाहाबाद) पी०एच०डी० एनआईटी सिक्किम से जारी सूचना सुरक्षा

६	श्रीमती गोपा भौमिक (gopa.bhaumik09@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर एम०टेक० (एनआईटी दुर्गापुर) पी०एच०डी० सिक्किम से जारी इमेज प्रोसेसिंग, प्रोग्रामिंग लैंग्वेज
७	श्री तरून बिस्वास (tarun.cse@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर एम०टेक० (एनआईटी, दुर्गापुर) पीएचडी एनआईटी सिक्किम से जारी नेचर इंस्पायर्ड आप्टीमाइजेशन एल्गोरिथ्म, ऐज कम्प्यूटिंग बिग डाटा
८	श्री बी० बालाजी नाइक (balajinaik07@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर एम०टेक० (एनआईटी, त्रिची) पी०एच०डी० एनआईटी सिक्किम से जारी क्लाउड कम्प्यूटिंग इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कम्प्यूटर नेटवर्क
अस्थायी संकाय	
१	डॉ. शेफालिका घोष समाहर , पी०एच०डी० (shefalika99@nitsikkim.ac.in) सूचना सुरक्षा
२	डॉ० बीरी अरुण , पी०एच०डी० डेटा खनन
३	श्री रजत गोयल कम्प्यूटर नेटवर्क



प्रयोगशाला की सुविधाएं

- संगणक प्रयोगशाला १

प्रोग्रामिंग भाषा, डाटा स्ट्रक्चर एवं एल्गोरिथम, वेब डिजाइनिंग आदि कार्यक्रम यहाँ से संचालित होते हैं।



- संगणक प्रयोगशाला २

संचालात्मक प्रणाली, कम्प्यूटर नेटवर्क, डाटा आधारित प्रबंधन प्रणाली आदि कार्यक्रम यहां से संचालित होते हैं।



- संगणक प्रयोगशाला ३

कम्प्यूटर ग्राफिक्स, प्रतिमान स्वीकृति, एडवांस्ड कम्प्यूटर नेटवर्क आदि यहां से संचालित किए जाते हैं।



- क्लाउड कम्प्यूटिंग प्रयोगशाला





- उच्च निष्पादन कम्प्यूटिंग प्रयोगशाला



विभाग में चल रही परियोजनाएं एवं विन्यास

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकियों एम.ई.आई.टी., भारत सरकार द्वारा पोषित विश्वेश्रैया परियोजना लगभग ३० लाख।

अन्य विभागों एवं संस्थानों से सहयोग

- ब्रीमेन विश्वविद्यालय, जर्मनी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी
- सी-डैक्ट सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग, पुणे।

बाहरी गतिविधियां

- नवम्बर १३-१७, २०१७ दो राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर, छत्तीसगढ़ भारत में डॉ० संग्राम राय द्वारा दिया गया खनन अभियांत्रिकी के क्षेत्र में एडवांस कम्प्यूटेशनल वंदनीय पर सरसवाह के अव्यावधि प्रशिक्षण प्रोग्राम में दो विशेषज्ञ व्याख्यान।
- १३ दिसम्बर, २०१७ को जीस इंजीनियरिंग एण्ड रिसर्च दासेस पुणे-४११००४१ कामें सिस्टम प्रोग्रामिंग एण्ड एडवांसमेन्ट इन इन्प्राइसर कन्स्ट्रक्शन पर विशेष वार्ता ।

प्रकाशन

अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल

- तरूण विश्वास, रजत भारद्वाज, अंजन कुमार राय एवं प्रत्याय कुइला “ए नोबल लीडर इलेक्शन एलमारथिक वेस्ट ऑन रिसर्स इन सिंग नेटवर्क ” संचार प्रणाली का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल विले आसोसीई १०, १००२/डैट ३०८३, २०१८
- तरूण विश्वास, प्रत्यय कुइला, अंजन कुमार राय एवं संग्राम राय, “रिसोर्स फैक्टर वेस्ट लीडर इलेक्शन गर रिंग नेटवर्क आई सी ४ एस २०१७, ए आई एस सी (स्प्रिंगर) वाल्यूम ५५३, पेज २५१-२५७, (२०१७)

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- दीपानविता साधूखान, संग्राम राय “क्रिप्टेनालिसिस ऑफ एन एलिपटिक कर्व क्रिप्टोग्राफी बेस्ड लाइट वेट एथेन्टीकेशन स्कीम फॉर स्मार्ट ग्रिड कम्प्यूनिकेशन” सूचना प्रौद्योगिकी (रैट-२०१८) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई एस एम) धनबाद, झारखंड, भारत मार्च २०१८, पेज १-६, (आई ई ई ई ई एक्सप्लोर में आनलाइन उपलब्ध, डी सो आई, १०११०९/राइट, २०१८ ८३८९०४०)
- प्रशान्त कुमार राय, संग्राम राय, मो देश गुप्ता, ‘एनर्जी इफिसियेन्ट नेटवर्क डिससेमिनेशन आर्टिटेक्र फार कन्टेन्ट सेन्ट्रिक नेटवर्क’ इंजीनियरिंग एवं साइंस (आई आर ई एस-२०१७), एसियन प्रौद्योगिकी संस्थान बैंकाक, थाईलैण्ड में अभिनव शोध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के प्राकृत जून, १६-१७, २०१७, पेज १०५।
- मो दासगुप्ता, जी०पी० विश्वास एवं संग्राम राय “पफारमेन्स इनहेन्समेंट बाई ट्राफिक रिसिड्यूअलिंग चह नेटवर्क नोड्स”, इंजीनियरिंग एवं साइंस (आई आर ई एस-२०१७) एसियन प्रौद्योगिकी संस्थान बैंकाक, थाईलैण्ड में अभिनव शोध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन के जून १६-१७, २०१७ पेज ६-१०
- सुजीत के० गुप्ता, प्रत्याय कुइला एवं प्रशांत के० जैन, “एनर्जी इफिसियेन्ट रूटिंग एलगारिथम फार वायरलेस सेन्सर नेटवर्क : द डिस्ट्रीब्यूटेड एप्रोच, “कम्प्यूनिकेशन एण्ड कम्प्यूटिंग सिस्टम प्रोसिडिंग आफ द इन्टरनेशनल कान्फ्रेंस आन कम्प्यूनिकेशन एण्ड कम्प्यूटिंग सिस्टम सी आर सी प्रेस, टेलर एण्ड फांसिस ग्रुप पेज २०७-२१३, (२०१७) (आई एस बी एन ९७८-१-१३८-०२९५२-१)
- तरून विश्वास, प्रत्याय कुइला एवं अंजन कुमार राय “मल्टी-लेवर क्यू फार टॉस्क सिड्यूअलिंग इन हिस्ट्रीजिनियश डिस्ट्रीब्यूटेड कम्प्यूटिंग सिस्टम” चौथा अन्तर्राष्ट्रीय आई सी ए सी सी एस २०१७ आई ई ई ई ई एक्सप्लोर, पेज १-६, (२०१७)



अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक प्रकाशन

- प्रत्याय कुइला एवं प्रशांत के जन क्लसटर्निंग एंड राउटिंग एल्गोरिथिम्स फॉर वायरलेस से सर नेट वर्क्स इनर्जी इफीशिएंट एप्रोचेज प्रथम संस्करण, सी आर सी प्रेस (टेलर एवं फ्रांसिस ग्रुप), सितंबर, २०१७ आई एस बी एन ९७८१४९८७५३८२१, आई एस बी एन - १० १४९८७५३८२१

सामुदायिक विकास के सहभागिता (२०१७-१८)

- स्थानीय विद्यालयों में वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा व्याख्यान
- स्थानीय गांवों के बच्चों एवं स्थानीय विद्यालयों के छात्रों के बीच कंप्यूटर प्रदर्शन
- स्कूली छात्रों द्वारा विभाग/प्रयोगशाला का अवलोकन

आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग :

आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग को २०१० में स्थापित किया गया। विभाग का उद्देश्य देश के भावी अभियांत्रिकी तथा उधमियों को पैदा करने के लिए शिक्षण में उत्कृष्ट तथा उल्लेखनीय शोध परिवेश उपलब्ध कराना है। विभाग आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी में चार वर्षीय बी०टेक० प्रोग्राम, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स तथा वीसल ए०आई० डिजाइन में दो वर्षीय एम०टेक० प्रोग्राम एवं अभियांत्रिकी में पी०एच०डी० प्रोग्राम आफर करता है। छात्रों को अध्ययन प्रौद्योगिकी से परिचित होने को प्रोत्साहित करने के लिए विभाग के पास अत्याधुनिक उपकरणों के साथ पर्याप्त प्रयोगशाला सुविधाएं हैं। वर्तमान में विभाग के पास अस्थायी परिसर में प्रयोगशाला स्थान के अनुपलब्धता के कारण सीमित प्रयोगशाला हैं हालांकि आवश्यक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण करके संस्थान अधिक स्थान तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

प्रवेश के आंकड़े

२०१७-१८	भर्ती किये जाने वाले छात्र	भर्ती किये गये छात्र
बी०टेक विशेषज्ञता आण्विक एवं संचार अभियांत्रिकी	४०	३८
एम०टेक० विशेषज्ञता माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं वीएलएसआई डिजाइन	१५	०६

संकाय विवरण

क्रम सं०	नाम, पद नाम एवं शोध अभिरूचि
१	डा० संजय कुमार जाना (skjiit@gmail.com, skjnit@nitsikkim.ac.in) असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (आई/सी) पी०एच०डी० (आईआईटी, खड़गपुर) एम०टेक० (जादवपुर यूनिवर्सिटी) हाई स्पीड सेमीकन्डक्टर डिवाइस, एनालॉग आई सी डिजाइन
२	श्री हेमन्त कुमार कठानिया (hemant.ece@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर पी०एच०डी० (एनआईटी, सिक्किम) एम०टेक० (आईआईटी, गुवाहाटी) सिंगल एवं स्पीच प्रोसेसिंग
३	श्री सुरजीत कुण्डू (surajit.kundu@nitsikkim.ac.in) सहायक प्रोफेसर पी०एच०डी० (एन.आई.टी., सिक्किम) एम०टेक० (आई.आई.टी., खड़गपुर) एन्टीना विकास (अल्ट्रा-वाइडबैंड, एम.आई.एम.ओ., ५-जी इत्यादि) ग्राउन्ड पेनीट्रेनिंग रडार, वायरलेस संचार, डिजिटल संचार
४	श्रीमती रेश्मी धारा (reshmidhara@yahoo.co.in) सहायक प्रोफेसर एम०टेक (एनआईटी खड़गपुर) पी०एच०डी० सिक्किम से पी०एच०डी० जारी सर्कुलर पोलरिज्ड माइक्रोस्ट्रिप एन्टीना
अस्थायी संकाय	
१	डा० वकार अहमद, पी०एच०डी० (iitk.waqar@gmail.com) स्पीकर रिकोजाइनेशन/वेरीफिकेशन आटोमेटिक, स्पीड रिकोजाइनेशन डिटेक्शन एण्ड क्लासिफिकेशन ऑफ एकास्टिक सीन एण्ड इवेन्ट स्पीच इनहेन्समेन्ट
२	डा० बप्पादित्या मंडल, पी०एच०डी० (bappaditya.kegc@gmail.com) वाडी वरबल एन्टीना, प्रिन्टेड एन्टीना, माइक्रोस्ट्रीप एन्टीना
३	डा० सुकान्ता धर, पी०एच०डी० (sukanto001@gmail.com) सोलर फोटोवोल्टेक, लाइट ट्रैपिंग, स्टडी ऑफ नैनो मेटेरियल
४	डा० अयान चटर्जी, पी०एच०डी० (ayanchatterjee@nitsikkim.ac.in) विडबैंड प्लानर एन्टीना, पिरियाडिक बैण्डगैप स्ट्रक्चर (फिक्वेन्सी सलेटिव सरुस, आरटीफिसियल मैगनेटिक कन्डक्टर इत्यादि)
५	डा० सन्दीप मिश्रा, पी०एच०डी० (ssandeep.mmishra@gmail.com) मैमोरी डिजाइन, डिजिटल डिजाइन, लो पावर वीएलएसआई, इमेज प्रोसेसिंग विडबैंड प्लानर एन्टीना, पिरियाडिक बैण्डगैप स्ट्रक्चर (फिक्वेन्सी सलेटिव सरुस, आरटीफिसियल मैगनेटिक कन्डक्टर इत्यादि)
६	कु० प्रीति गुप्ता (priti Gupta@nitsikkim.ac.in) प्रोजेक्ट फैकल्टी (एसएमडीपी-सी२एसडी), एम०टी० (एनआईटीटीटीआर चंडीगढ) एनालॉग आई सी डिजाइन



प्रयोगशालीय सुविधाएं

- एनालॉग सर्किट प्रयोगशाला
- डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
- एनलॉग संचार प्रयोगशाला
- डिजिटल संचार प्रयोगशाला
- विद्युत चुंबकीय एवं एन्टीना प्रयोगशाला
- डिजिटल सिंगल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- वीसल डिजाइन प्रयोगशाला
- माइक्रोप्रोसेसर एवं माइक्रोमेट्रोलर प्रयोगशाला
- माइक्रावेव इंजीनियरिंग एण्ड एन्टीना प्रयोगशाला

तकनीकी संघ/सोसाइटी की सदस्यता

क्रम सं.	तकनीकी सोसाइटी	सदस्यता का प्रकार	संकाय का नाम
१	आई.ई.ई.ई., आई.ई.ई.ई. सिंगल इन्टरनेशनल, स्पीच, कम्यूनिकेशन एसोसियेशन (आई एस सी ए)	सदस्य	श्री हेमन्त कुमार कठानिया
२	वैज्ञानिक अभियंताओं एवं प्रौद्योगिकी विदो का फोरम	सदस्य	श्री सुरजीत कुण्डू
३	आई ई.ई.ई., कोलकाता, प्रखण्ड	सदस्य	डा० बप्पादित्या मण्डल
४	वैज्ञानिकों, अभियंताओं एवं प्रौद्योगिकी विदो का फोरम	सदस्य	डा० सुकान्ता धर
५	अभिनेता संस्थान (भारत)	संबद्ध सदस्य	डा० अयान चटर्जी
६	आई ई.ई.ई., कोलकाता प्रमुख फासेट	सदस्य	
७	आई ई.ई.ई.,	सदस्य	डा० सन्दीप मिश्रा

आयोजित सेमिनार/वर्कशाप/एस०टी०सी०/एफ०डी०पी०/आई०ई०पी०

क्रमांक	कार्यक्रम	आयोजन
१	४ अप्रैल २०१७ से ९ अप्रैल २०१७ तक कोर वी एल एस आई डिजाइन पर संशय विकास प्रोग्राम (एफ डी पी)	ई एवं आई सी टी एकेडमी, आई. आई. टी., गोहाटी एवं एन. आई. टी., सिक्किम
२	५ जून २०१७ से ९ जून २०१७ तक मिश्रित सिंगल एवं आर एफ आई सी डिजाइन पर शिक्षण वृद्धि प्रोग्राम (आई ई पी)	आई आई टी खैरागढ एवं एन आई टी सिक्किम
३	२३-०३-२०१८ को रेडियो फिजिक्स एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रोफेससर देवाशीस गुहा एचओडी द्वारा दिया गया आमंत्रित व्याख्यान	ई सी ई विभाग एन आई टी सिक्किम

शोध प्रोजेक्ट/स्कीम

प्रोजेक्ट का नाम	आयोजित करने वाली संस्था	प्रधान अन्वेषक एवं सह अन्वेषक	आरंभ वर्ष	समाप्ति वर्ष
एस.एम.डी.पी. सी.२एस.डी. चिप का विकास (बोर्ड लेवल डिजिटल डिजाइन आधारित एफ पी जी ए) विशेष रूप से भूमध्य भविष्यवाणी तथा आरष्क टेस्टिंग हेतु	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	प्रो० महेश चन्द्र गोविल (प्रधान अन्वेषक) डा० संजय कुमार जना (सह अन्वेषक)	२०१५	जारी
विश्ववरैया प्रोजेक्ट हाई स्पीड सेमी कन्डक्टर डिवाइस की डिजाइन	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	डा० संजय कुमार जना (सह अन्वेषक)	२०१६	जारी



पी. एच.डी. छात्रगण

प्रोजेक्ट का नाम	आयोजित की जाने वाली एजेन्सी	पर्यवेक्षक
हेमन्त कुमार कठानिया	शोध के बेमेल सस्कार के सुधार में छन्द शास्त्रीय विशेषताओं तथा छन्द शास्त्रीय परिवर्तन की भूमिका	प्रो० ए० बी० समादर डा० संजय कुमार जाना (सह पर्यवेक्षक)
सुरजीत कुण्डू	ग्राउन्ड पैनीट्रेंटिंग रडार एस०पी० केशव हेतु सिक्किम सुधार के साथ अल्ट्रावाइलैण्ड प्रिन्टेड एटीना का डिजाइन विकास तथा कार्य मूल्यांकन	डा० संजय कुमार जाना
रेश्मी धारा	सर्कुलर पोलराइज्ड माइक्रोस्प्रिट एन्टीना	डा० संजय कुमार जाना
सुभानिल मैती	डिजाइन ऑफ पावर एवं एरिया आप्टीमाइण्ड हाई स्पीड फ्रीक्वेन्सी डिवाइडर	डा० संजय कुमार जाना
केशव दास	हाई फ्रीक्वेन्सी एप्लीकेशन हेतु वाइड बैंड एल सी वोल्टेज नियंत्रित रोलर (वी सी ओ) का विश्लेषण तथा डिजाइन	डा० संजय कुमार जाना
निगिदिता प्रधान	हाई फ्रीक्वेन्सी पी एल एल हेतु न्यूनीकृत डेडजोन के साथ फेज फ्रीक्वेन्सी डिटेक्टर का विश्लेषण तथा डिजाइन	डा० संजय कुमार जाना
प्रीति गुप्ता	ट्रान्स कंडक्टेंस पी एल एल एल एप्लीकेशन हेतु कैपसिटेंस	डा० संजय कुमार जाना
जयती राउत	हाई इलेक्ट्रान मोबिलिटी ट्रांजिस्टर का डिवाइस एवं आप्टीमाइजेशन	डा० संजय कुमार जाना

प्रकाशन

जाना में प्रकाशन

- सुरजीत कुण्डू एवं संजय कुमार जाना “लीफ शेड सीपी डब्लू फेड एंटीना विद ट्रियल नाथ बैण्ड फार ग्राउन्ड पेन्ट्रेटिंग रडार एप्लीकेशन ’ माइक्रोवेव एण्ड टेक्नालाजी लेटर्स वैल्यूम ६०, सं० ४ पेज नं० ३०-९३६, २०१६
- सुरजीत कुण्डू एवं संजय कुमार जाना “ए काम्पैक्ट अम्ब्रेला शेड यू डब्लू बी एंटीना फार ग्राउन्ड कपलिंग जी पी आर एप्लीकेशन” माइक्रोवेव एण्ड आप्टिकल टेक्नालाजी लेटर्स वैल्यूम ६ सं० २ पेज १४६-१५१ २०१८
- सुरजीत कुण्डू एवं संजय कुमार जाना “लीफ शेड सी पी डब्लू फेड डब्ल्यू बी एंटीना फार जी०पी०आर० एप्लीकेशन माइक्रोवेव एण्ड आप्टिकल टेक्नालाजी लेटर्स वैल्यूम ६ सं० ४ पेज ९९४-९०५ २०१८
- सुरजीत कुण्डू अयान चटर्जी एवं संजय कुमार जाना एवं सुशांत कुमार पसई “ए कम्पैक्ट अम्ब्रेला शेड यू डब्ल्यू बी एंटीना विद गेय आगमेन्टेशन यूजिंग फ्रीक्वेंसी सिलेक्टिव सरफेस “रेडियो इंजीनियरिंग वैल्यूम २७ २ सं० ४ पेज ४४८-४५४, २०१८
- सुरजीत कुण्डू, अयान चटर्जी एवं संजय कुमार जाना एवं सुशांत कुमार पसई “गेन इनहेन्समेंट आफ प्रिन्टेड लीफ शेड यू डब्ल्यू बी एंटीना यूजिंग डुअल एफ एस एस लेयर्स एण्ड एक्सीपेरिमेन्टल एडडी फार ग्राउन्ड कपलिंग जी पी आर एप्लीकेशन” माइक्रोवेव एल आप्टिकल टेक्नालाजी लेटर्स वैल्यूम ६० सं० ६ पेज १४१७-१४२३, २०१८
- सुरजीत कुण्डू “अमलमेन्टेशन आफ द सी पी डब्लू फेड प्रिन्टेड मिनिस्टथर यू डब्लू बी एंटीना यूजिंग फिक्वेंसी सिलेक्टिव एक्सेल” माइक्रोवेव एण्ड आप्टिकल टेक्नालाजी लेटर्स वैल्यूम वैल्यूम ६० सं० ७ पेज १८२०-१८२८, २०१८
- सुरजीत कुण्डू “ एक्सीपेरिमेन्टल स्टडी आप सी०पी० डब्लू फेस प्रिन्टेड यू डब्लू डी एंटीना विड रेडियेशन इम्प्रूवमेन्ट फार ग्राउन्ड कपलिंग जी पी आर एप्लीकेशन” माइक्रोवेव एण्ड आप्टिकल टेक्नालाजी लेटर्स वैल्यूम ६० पेज २४६२-२४६७, २०१८
- हेमंत कुमार कठानिया, वकार अहमद, एस० शाहनवाजुद्दीन एवं ए बी समददर “एम्प्लीसिंट पिच मैपिंग फार इम्प्रूवड चिल्ड्रेनस स्पीच रिफगनीशन” सर्कट सिस्टम एण्ड सिग्नल प्रासेसिंग स्प्रिंगर वैल्यूम ३७ सं० ५ पेज २०२१-२०७७, २०१७
- एस० शाहनवाजुद्दीन, नागराज अधिगा एवं हेमंत कुमार कठानिया” संकेतआद प्रेसोडी माडीफीकेशन ऑ चिल्ड्रेन एस आर” आई ई ई ई सिग्नल प्रासेसिंग लेटर्स वैल्यूम २४ सं० ११ पेज ११५३, २०१७
- एस० शाहनवाजुद्दीन, हेमंत कुमार कठानिया, अभिवेद डे , एवं रोहित सिन्हा” इम्प्रेविंग चिल्ड्रेन मिसमैच एस प्रकार पूजिंग स्ट्रक्चर्स लोरैट फीचर प्राजेक्टसन” स्वीच कम्प्यूनिकेशन एसेसपियर वैल्यूम १०५, पेज १०३-११३
- एस० शाहनवाजुद्दीन, अमन सिंह, हेमंत कुमार कठानिया, वशर अहमद एवं मयाधर प्रधान’ एन एक्सीपेरिमेन्ट स्टडी आन द सिग्नीफीकेशन ऑफ वैरिएशन फेम सेनस एण्ड ओवरलैप इन द इन्टैक्सर आफ चिल्डेन एचीज सिनिशन((सृष्टि सिस्टम एण्ड सिग्नक प्रासेसिंग स्प्रिंगर वैल्यूम ३७ सं० १२ पेज ५५४०-५५५३, २०१८



- एस० शाहनवाजुद्दीन, नागराज अडिगा, हेमंत कुमार कठानिया, गेधर प्रधान एण्ड रोहित सिन्हा “स्टडिंग द रोल ऑफ पिच-एडिप्टीव स्पेक्ट्रल इस्टीमेटेड इन आटोमेटिक स्पीच रिकोजिनेशन, “डिजिटल सिगनल प्रोसेसिंग, इलीसवर, वाल्यूम ७९, पेज १४२-१५१, २०१८
- सुरजीत कुण्डू एवं संजय कुमार जाना “ए कम्पेक्ट अम्ब्रेला सेण्ड यू डब्लू बी एंटीना फार ग्राउन्ड कपलिंग जी पी आर एप्लीकेशन,” माइक्रोवेव एण्ड ऑप्टिकल टेक्नोलॉजी लेटर्स, वाल्यू ६० नं० १ पेज १४६७१५१, २०१८
- अयान चटर्जी एवं सुसान्ता कुमार पर्रुई, “बीमवाइड्स कन्ट्रोल ऑफ ओमनीडायरेक्शनल एंटीना यूजिंग कनफर्मल फीक्वेन्सी सेलेक्टीव सरफेस आड डिफरेंट कर्वेचर,” एंटीना एवं प्रसार पर आई ई ई ई टार्यसंपाइन वैल्यूम ६६, नं० ६ पेज ३२२५-३२३०, २०१८
- अयान चटर्जी एवं सुसांत कुमार पर्रुई “ फ्रीक्वेन्सी डिपेन्ड डायरेक्टिव रेडियेशन आफ मोनोपोल - डाइलेक्ट्रिक रिसोनेटर एंटीना यूसिंग ए कनफर्मल फिक्वेन्सी सेलेक्टिव सरफेस” एंटीना एवं प्रसारण पर आई ई ई ई टायसंपाइन वैल्यूम ६५ नं० ५ पेज २२३३-२२३९, २०१७
- सप्तर्षि घोस, सुभासीस दास, सईद मुकुलिका डिनारा, अंकुश बाग, अपूर्वा चक्रवर्ती, पार्था मुखेपाध्याय, संजय कुमार जैन एण्ड ध्रवेश विश्वास, “आफ स्टेट लीकेज एण्ड करेंट कलेप्सा इन एलगन/मन एच ई एम टी एस: ए वर्जुवल गेट इन्ड्यूस्ड बाई डिसलोकेशन” इलेक्ट्रान डिवाइस पर आई ई ई ई कार्य संपादन वैल्यूम ६५ सं० ४ पेज १३३३-१३३९, २०१८
- पलासा दास, संजय कुमार जाना, नृपेन्द्र एन हल्दर, एस मलिक, एस एस महतो, ए०के० पाडा, पीटर पी को, ध्रवेश विश्वास, “ एन अल्टरनेटिव एक्स रे डिफेक्शन एनालिसिस फार कम्पेसिव डिटरमिनेशन आड स्ट्रक्चर प्रापर्टी इन कम्पोजियनली ग्रेडेड स्ट्रेन्ड एलगन एपीलेयर” इलेक्ट्रानिक मैटिरियल लेटर्स वैल्यूम १४, नं० ६ पेज ७८४-७९२, २०१८
- ए नंदी, एस मंडल, एस घोस, एस धर, एस मजूमदार, एच साहा एस एम होसान, “एप्लीकेशन आफ हाइग्रिड आरजीओ-आईटीओ बाइलेयर टीसीओ आन ए-साई सोलर सेल फार परफारमेन्स इनहेन्समेंट,” आई ई ई ई नर्लल आफ गेटोवोक्टाइस वाल्यूम ९, नं० १ पेज १२-१७, २०१८

सम्मेलन में प्रकाशन

- सुजीत कुण्डू, संजय कुमार जाना, “ए न्यू कम्पैक्ट लीफ सेण्ड सी पी डब्लू फेड यू डब्लू बी एंटीना” ग्राउन्ड एयरक्राफ्ट एवं सेटलाइट एप्लीकेशन (आईएम) हेड एंटीना अभिनव एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी पर २०१७ आई ई ई ई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बंगलौर, भारत २०१७
- सुरजीत कुण्डू, संजय कुमार जाना “ए कम्पैक्ट प्लानर सी पी डब्लू फेड मोनोपोल एंटीना फार अल्ट्रा वाइडबैंड एप्लीकेशन” २०१७, चौदहवा आई ई ई ई इण्डिया काउंसिल अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इंडीकान-२०१७) आई. आई. टी. रुड़की, उत्तराखण्ड, भारत २०१७, पेज १-४
- हेमंत कुमार कठानिया, एस० शाहनवाजुद्दीन, नागराज अडिगा एवं वकार अहमद, ‘रोल आफ प्रोसेडिक फीचर आन चिल्ड्रेन स्पीच रिकगनीशन” पाक आई ई ई आई आई सी ए एस एस पी, २०१८
- हेमंत कुमार कठानिया, एस० शाहनवाजुद्दीन, वकार अहमद नागराज अडिया, संजय कुमार जाना एवं ए० बी० समादार, “इम्प्रूविंग चिल्ड्रेन स्पीच रिकगनीशन थ्रू टाइम स्केल मोडीफिकेशन बेस्ड स्पीगिंग रेट एडाप्सन” प्रक आई ई ई ई एसपीसीओएम, २०१८
- एस० शाहनवाजुद्दीन, हेमंत कुमार कठानिया, चमन सिंह, वकार अहमद एवं गयाधर प्रधान, “एक्सप्लोरिंग



द रोल आफ स्पीरिंग रेट एडाप्सन ऑन चिल्ड्रेन स्पीच रिकगनीशन” प्राक आई ई ई ई एसपीकाम २०१७, २०१८

- वकार अहमद, एस० शाहनवाजुद्दीन, हेमंत कुमार कठानिया, गयाधर प्रधान एवं ए बी समदर, “इम्प्रविंग चिल्ड्रेन स्पीच रिकगनीशन थ्रू एक्सप्लीसिटक पिच स्केलिंग बेस्ड आन इटीरेटिव सपेक्टोगम इनवर्सन,” इन प्राक इन्टरस्पीच, २०१७
- हेमंत कुमार कठानिया, एस० शाहनवाजुद्दीन एवं रोहित सिन्हा, “इम्प्रूविंग चिल्ड्रेन सपीच रिकगनाइजेशनइन एकाउस्टली मिसमैचड कन्डीशन यूसिंग इजेन वाइस एण्ड फ्यूचर प्रोजेक्शन,” इन प्राक आईईईईई एनसीसी, २०१७
- अयान चटर्जी एवं सुशांत कुमार पर्रुई “ए डुअल लेयर फीक्वेन्सी सिलेक्तीव सरफेस फार रेडियेशन डाइवर्सिटी आफ ए मोनोपोल एंटीना,” ग्राउन्ड एयरक्राफ्ट एवं सेटेलाइट एप्लीकेशन (आईएम) हेतु एंटीना नवाचार तथा आधुनिक प्रौद्योगिकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन बंगलौर, नवम्बर, २०१७
- प्रीति गुप्ता, निगिदिता प्रधान, संजय कुमार जाना “ सीमास बेस्ड क्लास-ए पावर एप्लीफायर फार सी बैण्ड एप्लीकेशन” डिवाइस सर्किट एवं सिस्टम, २०१८ पर आई ई ई ई अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठ, आईआईएसटी शिवपुर, कोलकाता, मार्च २०१७
- रेश्मी धारा, संजय कुमार जाना “ए सिंगल माइक्रोस्टिप फीड सी शेड डुअल सर्कुलरली पोलराइज्ड सलाटेड मोनोपोल एंटीना” प्राक आईईईईई एप्लाइड इलेक्टोमैनेटिक कानफ्रेस ९(आईएमसी) २०१७
- रेश्मी धारा, एम मिद्या, एम मित्रा एवं संजय कुमार जाना, “सीपीडब्लू-पेड टेट्रा बैण्ड सर्कुलर पोलराइज्ड एंटीना फार वायरलेस कम्यूनिकेशन एप्लीकेशन” प्राक आईईईईई एप्लाइड इलेक्टोमैनेटिक कान्फ्रेन्स (आईएमसी) २०१७
- रेश्मी धारा, एम सरकार एवं टी के डे “एडुअल बैण्ड सर्कुलरी पोलराइज्ड वाई-सेण्ड पैच एंटीना फार वायरलेस कम्यूनिकेशन एप्लीकेशन” प्राक तृतीय संस्करण रिसर्च स्कालर, डी-१७ अन्तर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, दिसम्बर २०१७ में
- रेश्मी धारा एम सरकार एवं टी के डे “ए डुअल बैण्ड सर्कुलरी पोलराइज्ड वाई-सेण्ड पैच एंटीना फार वायरलेस कम्यूनिकेशन एप्लीकेशन” प्राक तृतीय संस्करण रिसर्च स्कालर, डे-१७राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली, दिसम्बर २०१७ में
- रेश्मी धारा, मधुरिमा सरकार, तरून कुमार डे, संजय कुमार जाना “ ए ट्राई बैण्डसर्कुलरी पोलराइज्ड जी-सेण्ड पैच एंटीना फार वायरलेस कम्यूनिकेशन एप्लीकेशन” प्राक आईईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन गुकान, २०१८ में
- रेश्मी धारा, मोनोजीत मित्रा, संजय कुमार जाना, अयान चटर्जी “ए सर्कुलरी पोलराइज्ड टी-सेण्ड पैच एंटीना फार वायरलेस कम्यूनिकेशन एप्लीकेशन” प्राक आई.ई.ई.ई. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन इनकैप, २०१८ में

पुरस्कार/उपलब्धि

- विश्वप्रिया गौतम एवं अन्तरा प्रमाणिक को कनाडा में मिटैक समर इनटर्नशिप हेतु चयनित किया गया।
- यतीश पचीगोला को आईआईटी बम्बई में समर रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम हेतु चयनित किया गया।
- अन्तरा प्रमाणिक को दीनदयाल उपाध्याय कालेज दिल्ली विश्वविद्यालय में समर रिसर्च फेलोशिप प्रोग्राम हेतु चयनित किया गया।
- शिवानी स्पृहा को सी डैट स्काडा में समर इनटर्नशिप हेतु चयनित किया गया।



- अंकुर राय को इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर कि० ताइनान में समर इनटर्नशिप हेतु चयनित किया गया।
- संघमित्रा मौर्या को आईआईटी गांधीनगर में समर इनटर्नशिप हेतु चयनित किया गया।
- नीतू कुमारी को इसरो, जोधपुर में समर इनटर्नशिप हेतु चयनित किया गया।
- श्रीमती रेशमी धारा ने ९ दिसम्बर २०१७ को निबंध शीर्षक “ए डुअल बैंड सर्कुलरटी पोलराइज्ड वाई शेड पैच एंटीना फार वायरलेस कम्यूनिकेशन एप्लीकेशन हेतु राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में रिसर्च स्कालर दिवस १७ के तीसरे संस्करण में सर्वात्कृष्ट निबन्ध पुरस्कार प्राप्त किया था।

वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी विभाग (ईईई)

वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी विभाग ने २०१० में संस्थान के आरंभ से अपना कार्य आरंभ किया था। विभाग वर्तमान में बी.टेक. एवं एम.टेक. डिग्री दोनों तथा पी.एच.डी. प्रोग्राम आरम्भ कर रहा है। यह अपने दात्रों विद्वानों एवं संशय सदस्यों के सामूहिक विनियोजन के जरिये शिक्षण एवं शोध क्रियाकलापों की उच्च गुणवत्ता को बनाए हुए है। अस्थायी कैम्पस में प्रयोगशाला स्थान के अनुपलब्धता के कारण वर्तमान में विभाग के पास सीमित प्रयोगशाला है। हालांकि संस्थान आवश्यक प्रयोगशालाओं की स्थापना करने के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण कर अधिक स्थान तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

विभाग द्वारा ऑफर किया गया प्रोग्राम/पाठ्यक्रम

- वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी में बी.टेक.
- वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी (कंट्रोल, पावर एवं इलेक्ट्रिक ड्राइव) में एम.टेक.
- (विभाग ने चालू शैक्षणिक सत्र से एम.टेक. प्रोग्राम आरंभ किया है)
- पी०एच०डी०

ग्राध्यापक वर्ग विवरण

क्रमांक	नाम, पदनाम एवं शोध अभिरूचि
१	डा० अंजन कुमार राय सहायक प्रोफेसर एवं विभाग प्रमुख /(आई/टी) पी०एच०डी० (आईआईटी कानपुर) कंट्रोल सिस्टम, रोबोटिक्स एण्ड इनटेलीजेंट सिस्टम, मशीन लर्निंग, सेन्सर फ्यूजन एण्ड स्मार्ट होम/इनवार्थनमेन्ट
२	डा० सौरव मलिक सहायक प्रोफेसर पी०एच०डी० (एनआईटी, दुर्गापुर) पावरसिस्टम, पावर स्टेट एप्लीकेशन, पावर सिस्टम ट्रान्समिशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन, पावर सिस्टम, स्टेबिलिटी एण्ड कंट्रोल
३	डा० प्रदीप कुमार सहायक प्रोफेसर, पी०एच०डी० (एनआईटी, जमशेदपुर) पावर क्वालिटी, कंट्रोल सिस्टम, रिन्यूबिलिटी एनर्जी सिस्टम, पावर इलेक्ट्रानिक्स
४	डा० मोले राय सहायक प्रोफेसर पी०एच०डी० (आईआईईएसटी शिवपुर) पावर इलेक्ट्रानिक्स कन्वर्ट एण्ड कंट्रोल

५	डा० अरविन्द पांडा सहायक प्रोफेसर, पी०एच०डी० (आईआईटी रूड़की) नवीनकरणीय उर्जा स्रोतों में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का प्रयोग
अस्थायी प्राध्यापक वर्ग	
1	डा० अमित कुमार यादव , पी०एच०डी० (एनआईटी हमीरपुर) पावर सिस्टम साफ्ट कम्प्यूटिंग नवीकरणीय उर्जा, फोटोवाल्टाइड कंडीशन मानीटरिंग
2	डा० कुन्तल मण्डल , पी०एच०डी० (आई.आई.टी., खड़गपुर) कंट्रोल आफ पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सर्किट, नान किनिर कंट्रोल एवं डायनमिक्स, सर्किट एण्ड सिस्टम
3	डा० अभिषेक राजन , पी०एच०डी० (आईआईटी सिल्वर) पावर सिस्टम आप्टीमाइजेशन, आपरेशन एण्ड कंट्रोल, साफ्ट कम्प्यूटिंग मेथल ऑफ आप्टीमाइजेशन, पावर सिस्टम, प्लानिंग
4	श्री जोगी पाल पेटोवस्काइट सोलर सेल

प्रयोगशाला सुविधाएं

- बुनियादी वैद्युत अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- कंट्रोल सिस्टम प्रयोगशाला
- वैद्युत मशीन प्रयोगशाला
- मापन प्रयोगशाला

पी-एच०डी० छात्रगण

क्रमांक	छात्र	मार्गदर्शक	पूर्णकालिक/अंश कालिक	सहभागिता	शोध का क्षेत्र
1.	श्री अरिन्दम सिन्हा	डा० अंजन कुमार राय एवं प्रो० अरून बरन समाहर	पूर्ण कालिक (विश्वेश्वरैया छात्र)	प्रोजेक्ट	इंटेलीजेंट नेटवर्क रोबोटिक सिस्टम
2.	श्री अरविन्द्र घोष	डा० अंजन कुमार राय एवं डा० मो० नुरुज्जमान	पूर्ण कालिक	प्रोजेक्ट	डायनमिक्स एण्ड स्टेविलिटी आफ काम्पलेक्स नेटवर्क
3.	श्री सुधांशु शेखर दास	डा० अरविन्द पांडा	पूर्ण कालिक	संस्थान	नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के एप्लीकेशन इनवर्टर का प्रयोग
4.	डा० अमित कुमार	डा० प्रदीप कुमार	पूर्ण कालिक	संस्थान	कस्टम पावर डिवाइस का प्रयोग करते हुए पावर गुणवत्ता सुधार



5.	श्री देवरंजन मुखर्जी	डा० सौरव मलिक	पूर्ण कालिक	संस्थान	पावर लाइन हार्मोनिक रिडक्शन यूसिंग फैक्ट
6.	श्री सुभाजीत राय	डा० सौरव मलिक एव डा० अरविन्द पांडा	पूर्ण कालिक	संस्थान	फैक्ट कंट्रोलर का प्रयोग
7.	सुश्री श्रावनी पाल	डा० सौरव मलिक एवं डा० अंजन कुमार राय	पूर्ण कालिक	संस्थान	पावर सिस्टम स्टेविलिटी एण्ड कंट्रोल
8.	श्री रोशन प्रधान	डा. अरविन्दा पांडा	पूर्ण कालिक	संस्थान	डिस्ट्रीब्यूटेड पी वी जनरेशन सिस्टम
9.	श्री० सैकत चटर्जी	डा० अंजन कुमार राय	पूर्ण कालिक	संस्थान	बायोमेडिकल इन्सट्रूमेन्टेशन
10.	श्री प्रलय राय	डा० सौरव मलिक एवं डा० प्रदीप कुमार	पूर्ण कालिक	संस्थान	कंट्रोलर का प्रयोग

विभाग में जारी प्रोजेक्ट्स/योजनाएं

वैद्युत एवं आणविक अभियांत्रिकी विभाग में डा० अंजन कुमार राय ने प्रो० अरूण बरन समाहर के साथ विश्वेश्वरैया पीएचडी प्रोजेक्ट “इंटेलेजेंट नेटवर्कड रोबोटिक सिस्टम प्राप्त किया। एक पूर्णकालिक पी.एच.डी. छात्र इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत विभाग में कार्यरत है।

२०१७-१८ में संकाय सदस्यों द्वारा शोध प्रकाशन

अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल

१. ए०के० यादव, वी शर्मा, एच मलिक, एस०एस० चंदेल, डेली एरे यील्ड प्रेडिक्शन ऑफ द ग्रिड इन्टरएक्टिव फोटो वोल्टाइक प्लांट यूजिंग रिलीफ एट्रीब्यूट इवैल्यूएटर बेस्ड रेडियल वेसिस फंक्शन न्यूराल नेटवर्क/नवीकरणीय एवं स्थायी ऊर्जा समीक्ष (एलसीवियर) वैल्यूम ८१, पेज २११५-२१२७, २०१८
२. टी० विश्वास, आर भारद्वाज, ए०के० राय, पी० कुइला, ए नोवल लीडर एलेक्शन एल्गोरिथम बेस्डआन रिसोर्ससेज इन रिंग नेटवर्क/संचार प्रणाली का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल स्वीकृत, मार्च २०१८
३. ए०के० यादव इटी एल, फार्मुलेशन आफ न्यू कोरिलेशन इन टमर्स ऑफ एक्स्ट्राटेरिस्ट्रीयल रेडिएशन बाइ आप्टीमाइजेशन आफ टिल्ट एंगल फार इन्सटालेशन आफ सोलर फोटो वोल्टाइट सिस्टम फार मैक्सीमम पावर जनरेशन भारत में २६ शहरों का वृत्त अध्ययन, साधना, स्वीकृत, २०१८
४. पी० कुमार, कम्परेटिव पावर क्वालिटी एनालिसिस आफ कनवेन्शनल एण्ड माडीफाइड डीस्टेट काम टोपोलाजी/विद्युतीय अभियांत्रिकी एवं सूचना विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वैल्यूम ० सं० ४ पेज ७८६-७९९, दिसम्बर २०१७
५. ए० अबूसोर्ग, के मंडल ईटी, एल, एवाइडिंग इनस्टैबिलिटीज इन पावर इलेक्ट्रानिक सिस्टम टूवर्ड एन आन चिप इम्प्लीमेंटेशन, आई ई ई आई ई टी पावर इलेक्ट्रानिक वैल्यूम १०, सं० १३, पेज १७७८-१७८७, अक्टूबर, २०१७
६. वाई अल-तुर्की, ए० अल-अरौदी, के० मण्डल ईट एल, नान-एवरेज्ड कन्ट्रोल ओरियेन्टेड माडलिंग

एण्ड रिलेटिव स्टेबिलिटी एनालिसिस आफ डी सी - डी सी स्विचिंग इनवर्टर, सर्किट सिद्धान्त तथा प्रयोग का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल वैल्यूम ४६, सं० ३, पेज ५६५-५८० मार्च २०१८

७. पी० कुमार एवं एन० कुमार, परफारमेन्स एसेसमेन्ट आफ यूपीक्यूसी टोपोलाजी आन ए श्री फेज पावर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम/अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी का जर्नल, वैल्यूम ६, अंक २ पंज ४२४,-४३९, जुलाई, २०१७
८. एम० राय एवं एम सेनगुप्ता, डिजाइन, रियलटाइम माडलिंग, साइयूलेशन एण्ड डिजिटल इम्प्लीमेंटेशन आफ फेज लोकेटेड लूप वेस्ट आटो-सिनकोनाइजिंग करेंट सोर्सड इनवर्टर फार एन एनडक्शन हीटिंग प्रोटोटाइव, साधना अभियांत्रिकी विज्ञान के आकादमी कार्यविवरण मई, २०१७

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

९. ए०के० यादव एवं एच मलिक, १० मिनट अल्लेड फोरकास्टिंग आफ विंड एचीड फार पावर जनरेशन यूसिंग नान लिनियर आटोरिग्रेसिव न्यूराल नेटवर्क सिगा, २०१८ फरवरी २३-२५, २०१८ एस एस आई टी दिल्ली, भारत
१०. ए०के० यादव एवं एच मलिक, शार्टटर्म विन्ड स्पीड फारकास्टिंग फार पावर जनरेशन इन हमीरपुर, हिमांचल प्रदेश, इण्डिया यूजिंग आर्टिफिशियल न्यूराल नेटवर्क सिग्मा, २०१८ फरवरी २३-२५, २०१८ एनएसआईटी दिल्ली, भारत
११. ए० कुमार एवं पी कुमार माडलिंग एण्ड साइमुलेशन आफ स्टेटकाम फार इन्हेन्समेंट आफ ट्रानजिमंट स्टेबिलिटी विद्युतीय, इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटर, संचार यांत्रिक तथा कम्प्यूटिंग (ईईसीसीएमसी, २०१८) तमिलनाडु, जनवरी, २०१८
१२. ए० सिंघा, ए०के० राय एण्ड ए०बी० समदर, नेवीगेशन आफ मोबाइल रोबोट इन ए ग्रिड बेस्ड इनवायरमेंट यूजिंग लोइल एण्ड टारगेट वेटेड न्यूराल नेटवर्क आईईईई ८वां आईसीसी सीएनटी, आईआईटी, दिल्ली, भारत पेज १-६, जुलाई ३-५, २०१७
१३. के० मण्डल एट एल कन्ट्रोल ओरियेन्टेड डिजाइन गाइडलाइन्स टू एक्सटेन्ड द स्टेबिलिटी मार्जिन आफ स्विचिंग इनवर्टर, सर्किट एवं प्रणाली पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीएस२०१७) पेज १२६१, वाबाल्टीमोर, एम०डी० यूएस, मई, २८-३१, २०१७
१४. ए० अल-अरौदी, के मण्डल, ए अबूसोरी, एम०एम० एल हिन्दवी, वाई एल तुर्की, डी गयाऔरिस एवं एस वनजी, ए नोवल नान किमियर माडूलेशन टेकनिक फार स्टेबलाइजिंग डी सी - डी सी स्विचिंग इनवर्टर, सर्किट एवं प्रणाली पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईएससीएल २०१७) पेज १२९४-१२९, वाल्टीमोट, एम०डी० पू०एस०ए० मई ३८-३१, २०१७

२०१७-१८ में आयोजित/सम्पन्न विशेष व्याख्यान/सेमिनार कार्यशाला :-

- विभाग ने अप्रैल, २०१७ में पीएलसी सिहांवलोकन तथा प्रयोग पर कार्यशाला आयोजित किया गया।
- विभाग ने अक्टूबर, २०१७ में स्काडा लैवकिट पर प्रशिक्षण से संबंधित कार्यशाला आयोजित किया गया।
- विभागीय संकाय सदस्यगण वार्षिक तकनीकी उत्सव अभियंगण के दौरान सभी संस्थाविद व्याख्यान/सेमिनार/कार्यशाला अर्थात व्याख्यान श्रृंखल आयोजित करने में शामिल थे।
- डा० अंजन कुमार राय रोबोटिक्स पर व्याख्यान देने के लिए केन्द्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कोकराझर गये थे।



- डा० सौरव मलिक अपने प्रोजेक्ट मूल्यांकन हेतु बाहरी विशेषज्ञ के रूप में सीसीसीटी सिक्किम गये थे।
- डा० अरविन्द पाण्डा दिसम्बर, २०१७ में आई.आई.टी., गौहाटी में नवाचार एवं स्टार्ट अप पर कार्यशाला में भाग लिये थे।
- डा० अंजन कुमार राय मार्च २०१८ में गौहाटी में राज्य प्रोजेक्ट क्रियान्वयन इकाई, पूर्वोत्तर क्षेत्र (एन.पी.आई.यू.-एन.ई.) द्वारा आयोजित स्टार्ट अप एवं नवाचार पर कार्यशाला में भाग लिया था।
- डा० अंजन कुमार राय मार्च २०१८ में गौहाटी में राज्य प्रोजेक्ट क्रियान्वयन इकाई, पूर्वोत्तर क्षेत्र (एन.पी.आई.यू.-एन.ई.) द्वारा आयोजित स्टार्ट अप एवं नवाचार पर कार्यशाला में भाग लिया था।
- श्री प्रीतम कुमार (ई.ई.ई. के द्वितीय वर्ष के छात्र) ने फरवरी २०१० में एन.आई.टी., उत्तराखण्ड में नवाचार प्रतियोगिता में भाग लिया था।
- ई.ई.ई. प्राध्यापक वर्ग तथा छात्रों ने स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के सहयोग से एन.पी.आई.यू. द्वारा संचालित सवेक्षण में भाग लिया था।
- डा० अमित कुमार यादव एन.एस.आई.टी., दिल्ली में फरवरी, २०१८ में सिगमा २०१८ के दौरान एक अध्ययन के रूप में भाग लिया था।
- डा० अंजन कुमार राय (नवाचार प्रकोष्ठ के बतौर अध्यक्ष) तथा श्री प्रीतम कुमार (द्वितीय वर्ष वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी) को मार्च २०१८ में नवाचार एवं उद्यमिता उत्सव (काईन २०१८) के दौरान राष्ट्रपति भवन में आमंत्रित किया गया था।
- सोलर बल्ब पर श्री प्रीतम कुमार कार्य (डा० कुन्तल मण्डल, वैद्युत एवं आण्विक अभियांत्रिकी) को फाइन २०१८ के दौरान राष्ट्रपति भवन, भारत में प्रस्तुति हेतु चयनित किया गया था।



चित्र : राष्ट्रपति भवन भारत में श्री प्रीतम कुमार द्वारा नवाचार प्रदर्शन

यांत्रिकी अभियांत्रिक विभाग -

यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग ने शैक्षणिक वर्ष २०१४-१५ में अपनी यात्रा आरंभ की थी। विभाग का प्रारंभ बहुशैक्षणिक क्षेत्रों में नवाचार एवं कार्य के जरिए समाज में योगदान करने में सक्षम वैश्विक स्तर पर सक्षम यांत्रिक अभियंताओं को पैदा करने के लिए हुआ है। वर्तमान में अस्थायी परिसर में प्रयोगशाला स्थान के अनुपलब्धता के कारण विभाग में सीमित प्रयोगशालाएं हैं। हालांकि संस्थान आवश्यक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण करके और स्थान तैयार करने का प्रयास कर रहा है। छात्रों को प्रयोग करने के लिए विभिन्न आईआईटी/एनआईटी भेजा जाता है क्योंकि अपेक्षित प्रयोगशालाएं उपलब्ध नहीं हैं।

ऑफर किया गया पाठ्यक्रम

- यांत्रिकी अभियांत्रिकी में बी.टेक.
- यांत्रिकी अभियांत्रिकी में पी-एच०डी०

क्रमांक	नाम पदनाम एवं शोध अभिरूचि
१	डा० शंभूनाथ बर्मन, पी-एच०डी० सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (आई/सी) प्रयोगशाला एवं संस्थात्मक ऊष्मा अन्तरण एवं सीएफडी
२	डा० रंजन बसाक, पी०एच०डी० सहायक प्रोफेसर तरल यांत्रिकी एवं मशीन डिजाइन
३	डा० प्रणव कुमार कुण्डू, पी-एच०डी० सहायक प्रोफेसर सूक्ष्म तरल, गैर परम्परागत मशीनिंग
अस्थायी प्राध्यापक वर्ग	
१	डा० देवाजीत साहा तरल यांत्रिकी, टर्बुलेंस सीएफडी
२	डा० अनिन्द्या मलास मशीन डिजाइन, कम्पन विश्लेषण
३	डा० पीयूष शर्मा तापीय ऊर्जा परिवर्तन, एचवीएसी
४	श्री सुशांत कुमार प्रधान उत्पादन प्रौद्योगिकी, ट्राइवालाजी
५	श्री प्रतीक कुमार शॉ उत्पाद एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी
६	श्री मनोहर कुमार डिजाइन, गतिकी मेकाट्रानिक्स

प्रयोगशाला सुविधाएं

- यांत्रिकी कार्यशाला
- तरल यांत्रिक प्रयोगशाला
- सामग्री प्रयोगशाला की शक्ति
- उत्पादन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- कैड/कैम प्रयोगशाला



शोध छात्रगण -

नाम	शोध का विस्तृत क्षेत्र
लक्ष्मण आर	वायुमण्डलीय सीमा परत का अनुरूपण
मनीष मुखोपाध्याय	टाइटेनियम मिश्रधातु का घर्षण
अनवेश वीरकुंवर	सामग्री लक्षण वर्णन
प्रसन देवान	गैर परम्परागत मशीनिंग (ईडीएम)
सदाम हुसैन मलिक	संवेस्टन में प्राकृतिक संवहन
आदित्य कुमार सिंह	धर्मी प्रवाही

अन्य संस्थान से सहयोग -

विभिन्न सेमेस्टरों में विभिन्न प्रयोगशाला कक्षाओं को संचालित करने के लिए विभाग ने निम्न संस्थानों के साथ सहयोग किया है :

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गौहाटी (आईआईटी गोहाटी)
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर (आईआईटी खड़गपुर)
- भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, (आईआईईएसटी) शिवपुर

शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ में बीटेक तृतीय वर्ष के छात्रगण प्रयोगशाला कक्षाओं को पूरा करने के लिए आईआईटी गौहाटी एवं आईआईटी खड़गपुर गये थे। विवरण निम्नवत है -

- छात्रगण ३ नवम्बर, २०१७ से १३ नवम्बर, २०१७ तक ५वें सेमेस्टर पाठ्यक्रम के ऊष्मा अन्तरण प्रयोगशाला को पूरा करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गौहाटी गये थे।
- छात्रगण १७ अप्रैल, २०१८ से २८ अप्रैल २०१८ तक छठे सेमेस्टर पाठ्यक्रम के उत्पादन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला को पूरा करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर गये थे।

शोध गतिविधियां

प्रकाशन

शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ में निम्न जर्नल पेपर, कॉन्फ्रेंस पेपर, बुक चैप्टर को यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग के शोध छात्रों तथा प्राध्यापक वर्ग सदस्यों द्वारा प्रदश्रित किया गया है।

जर्नल

१. पी०के० मण्डल, एच. गायकवाड, पी०के० कुण्डू, एम वागविस, इफेक्ट आफ थर्मल एसीमट्रीज आन द एंट्रोपी जनरेशन एनविसिस आफ वैरियवल विसोशासिटी कोइट पायसियुला फ्लो, प्रोसिडिंग ऑफ द इंस्टीट्यूशन आफ मैकेनिकल इंजीनरिर्स भाग-ई जर्नल आफ प्रोसेस मैकेनिकल इंजीनियरिंग २०१७ वैल्यूम २३१, अंक ५ पेज १०११-१०२४, <https://doi.org/10.1177/0954408916688234>.
२. एम० मुखोपाध्याय, पी०के० कुण्डू, डिवलपमेंट आफ ए सिम्पल एण्ड एफिसिमेन्ट डिलिवरी टेकनिक फार ग्रिडिंग टी आई ६एआई-४वी सामग्रीयो की मशीनिंग तथा मशीनीक्षमता का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल २०१८ डी ओ आई १०-१५०४/आईजेएमएमएम २०१८, १००१३११५

३. एम० मुखोपाध्याय, पी०के० कुण्डू, लेजर ट्रेसिंग आफ ग्रीडिंग हवील ए रिव्यू/ मेकाट्रानिक्स एवं उत्पादन प्रणाली का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल २०१८, वैल्यूम ११ सं० २/३ पेज १६७-१८१. डी ओ आई १०.१५०४/आईजेएमएस, २०१८, १००१३११७.
४. एम० मुखोपाध्याय, पी०के० कुण्डू, आर्पीमाइजेशन आफ ट्रेसिंग इनफीड आफ अणुमिना हवील फार ग्रीडिंग टीआई ६ए१४वी, सामग्री एवं उत्पादन प्रक्रिया २०१८, वैल्यूम ३३, अंक १३, पेज १४५३-१४५८. डी ओ आई १०.१०८०/१०४२६९१४.२०१८.१४५३१६४.
५. एम० मुखोपाध्याय, पी०के० कुण्डू एवं एस दास, एक्सपेरीमेन्टल इनवेस्टीगेशन आन इनहेन्सिंग ग्रीडेविलिटी यूसिंग अल्केकिन वेस्ट फ्यूल फार ग्रीडिंग टीआई६ए१-४वी सामग्री एवं उत्पादन प्रक्रिया २०१८. डीओआई १०.१०८०/१०४२६९१४.२०१८.१४७६७५९.
६. लक्ष्मण आर एवं आर बसाक एनालिसिस आफ ट्रान्सफार्मर फिक्थ आर्डर पालीनामियल कर्व फार द कन्स्ट्रक्शन आफ विन्ड टनल आई यूसिंग ओपेन फोम, आईओपी कान्फ्रेस सीरिज, सामग्री विज्ञान एवं अभियांत्रिकी वैल्यूम ३७७, सं० २ पी० ०१२०४८, आईओपी प्रकाशन २०१८.

सम्मेलन

१. एम मुखोपाध्याय, पी०के० कुण्डू परफारमेन्स इवेलुएशन आफ कन्वेशनल एब्रेसिव विल्स फार ग्रीडिंग टीआई-६ए१-४वी, यांत्रिक सामग्री तथा नवीकरणीय ऊर्जा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसम्बर ८-१०, २०१७ एसएमआईटी मझीलेज, प्रकाशन हेतु स्वीकृत सर्वोत्तम पेपर पुरस्कार प्राप्त।
२. डी साहा एवं एस मजूमदार सी०एफ०डी० एनालिसिस आफ स्विलिंग फ्यूल फ्लो इन ए सर्कुलर डक्ट विथ को-एक्सिल कनाइन्ड जेट एट इनलेट, मैकेनिकल इंजीनियरिंग पर १ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इनकाम २०१८) जनवरी ४-६, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता।

बुक चैप्टर

१. लक्ष्मण आर एवं आर. बसाक, कम्परेटिव स्टडी ऑफ द प्रोफाइल डिजाइन फार द कन्स्ट्रक्शन आफ विन्ड टनल वाइ यूसिंग ओपेन फोम, बुक चैप्टर, एडवांस इन टेक्नालाजी, इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नालाजी, डीओआई १०.३८५०/९७८-९८१-११-०७४४-३-१७-४६-सी०डी० आईएसबीएन : १३.९७८१-११-०७४४-३, पेज १५६-१६७, २०१८

उपलब्धियाँ/ पुरस्कार

डा० प्रणब कुमार कुण्डू को शैक्षणिक वर्ष २०१७-१८ के दौरान एनआईटी सिक्किम से विश्वेश्वरैया यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप के लिए नामांकित किया गया है।

विशेष व्याख्यान/सेमिनार आयोजित :

- मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हिमाद्रि चट्टोपाध्याय ने एमई विभाग में २३/०२/२०१८ को थर्मी फ्लूइड्स फील्डर टरबुलेन्ट फ्यूड फ्लो) पर व्याख्यान दिया।



जनपद अभियांत्रिकी विभाग -

एन आई टी सिक्किम का जनपद अभियांत्रिकी विभाग वर्ष २०१३ में स्थापित किया गया था। विभाग ३० छात्रों के चालू भर्ती के साथ जनपद अभियांत्रिकी में ४ वर्षीय बी०टेक० प्रोग्राम का ऑफर देता है। विभाग के उत्तीर्ण छात्रगण विभिन्न सरकारी तथा प्रतिष्ठित निजी क्षेत्रों में कार्यरत हैं। इसके साथ पर्याप्त संख्या में छात्रगण सिक्किम इंजीनियरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा भी प्राप्त कर रहे हैं। जनपद अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक सदस्यगण एनआईटी सिक्किम कैम्पस के निर्माण तथा अनुरक्षण क्रियाकलापों से सक्रिय रूप से जुड़े हैं। संस्थान का जनपद अभियांत्रिकी विभाग रावंगला में परिसर के भू-दृश्य निर्माण, बागवानी तथा पर्यावरणीय सुरक्षा में भी योगदान करते हैं। वर्तमान में अस्थायी परिसर में प्रयोगशाला स्थान के अनुपलब्धता के कारण विभाग में सीमित प्रयोगशालाएं हैं। हालांकि आवश्यक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण संस्थान अधिक स्थान बनाने का प्रयास कर रहा है।

विभागाध्यक्ष का विवरण :

क्रमांक	नाम पदनाम, एवं शोध अभिरूचि
१	डा० अमित कुमार दास, पीएचडी (आईआईटी खड्गपुर) सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (आई/सी) भूतकनीकी अभियांत्रिकी भूमि सुधार
अस्थायी प्राध्यापक वर्ग	
२	श्री नीलंजन दत्ता वाटर ट्रीटमेंट, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
३	डा० अलक कुमार पात्रा संरचनात्मक विश्लेषण, संरचनात्मक डिजाइन संरचनात्मक गतिकी
४	श्री देबाशीष राय परिवहक अभियांत्रिकी, यातायात प्रवाह सिद्धांत राजमार्ग अभियांत्रिकी तथा सेवा स्तर
५	डा० संगीता देब वर्मन बाढ़ माडलिंग, जल संसाधन प्रबंधन, मृदा अपरदन, जीआईएस तकनीक
६	संरचनात्मक विश्लेषण, संरचनात्मक डिजाइन, भूकंपीय विश्लेषण
७	श्री सुशांत कुमार प्रधान उत्पादन प्रौद्योगिकी ट्रिवालाजी
५	डा० संजीत बिस्वास पाइल डायनामिक्स, सायल डायनामिक, मशीन फाउण्डेशन, फाइनाइट एलीमेंट एनकिसिस सामल मेकानिक्स एण्ड फाउण्डेशन इंजीनियरिंग

प्रयोगशाला सुविधाएँ

- सर्वेक्षण प्रयोगशाला
- सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला
- भू-तकनीक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

विभाग में जारी प्रोजेक्ट/योजनाएं

- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु खान क्षेत्रों (सिंगताम, रंगपो, नामची, गेजिंग, मनगन, जोटेथांग, शिपसू) के डीपीआर पर मूल्यांकन रिपोर्ट (श्री नीलंजन दत्ता) नाम किया गया

विशेष व्याख्यान/सेमिनार/कार्यशाला

- श्री नीलंजन दत्ता ने आईआईटी खड्गपुर में २६ जून - ३ जुलाई २०१७ को ठोस एवं खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन पर सम्मेलन में भाग लिया था।

प्रदर्शन

१. वर्मन एस. डी. एवं चौधरी, पी. (२०१७) नदी समूह में बाढ़ क्षति माडलिंग हेतु इस्टमीकरण तकनीक का प्रयोग। विद्युत इलेक्ट्रानिक्स, सामग्री एवं अनुपयुक्त क्वान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्वामी विवेकानन्द प्रौद्योगिकी संस्थान सिकन्दराबाद, भारत २२-२३ दिसम्बर, २०१७
२. देव वर्मन एस एवं चौधरी पी. (२०१८) नदी समूह में बाढ़ क्षति माडलिंग हेतु इस्टमीकरण तकनीक का प्रयोग। ए.आई.पी. सम्मेलन कार्य विवरण, ०२०११२-१-०२०११२-७.
<https://doi.org/10.1063/1.5032074>.
३. दत्ता, एन. देवनाथ, बी. घोष, ए. एवं शोध एस. के. (२०१७) भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन अपशिष्टप्रबंधन में मुद्दे तथा चुनौतियां, आई.सी.डब्लू.एन.एस.डब्लू.एम., दिसम्बर।

जैव प्रौद्योगिकी विभाग :

प्राध्यापक वर्ग विवरण

क्रमांक	नाम पदनाम एवं शोध अभिरूचि
अस्थायी प्राध्यापक वर्ग	
१	डा० संचारिणी दास, पी०एच०डी० (आईआईटी खड्गपुर) (माइक्रोव आधारित नैनोटेक्नालाजी)
२	डा० स्वरनेंदु बाग, पी०एच०डी० कैंसर थेटानास्टिक पोटिओमिक्स, मोटाबोलोमिक्स
३	डा० अमलन दास, पी०एच०डी० कैंसर स्टेम सेल, आक्सीडेटिव स्ट्रेस, एन्टीआक्सीडेन्ट नेपपेटिक्स

शोध प्रकाशन-

१. स्पेक्ट्रापैथालाजी - इटोवोरेटेड मल्टी माडल आनटिडेटिक इमेंजिंग वायोमार्कर फार न्यूटोरेटिनाल डिजनरेशन इन डायवेटिक रेटिनोपैथी। गुहा मजुमदार, एस चटर्जी, एस गौजालेज जेसे बागएस घोस एस मुखर्जी ए चटर्जी जे, क्लिन आपथमाल २०१७ नवम्बर २२;११:२०७३-२०८९.
२. स्तन कैंसर में सीसीएन५/डब्लूआईएसपी-२ प्रेरित प्रोग्राम की कमी कैंसर एपीथिलियल कोशिका को मेसीकाइमल स्टेम कोशिका एवं स्तन कैंसर वृद्धि को बढ़ाता है दास ए, धर के, मैटी जी, सरकार एस, घोष ए, हक आई, धर जी, बनर्जी एस, बनर्जी एस०के० वैज्ञानिक रिपोर्ट (नेचर) २०१७; ७(१):१२२०.



गणित विभाग

गणित विभाग अपने आरंभ से ही संस्थान का अभिन्न अंग है। विभाग के सभी अध्यापक अत्याधुनिक अनुसंधान में लगे हुए हैं। विभाग आंकिक रेखीय बीजगणित, संक्रिया शोध तथा स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत में पी०एच०डी० प्रोग्राम का आफर देता है।

प्राध्यापक विवरण

क्रमांक	नाम पदनाम एवं शोध अभिरूचि
१	डा० रवि श्रीवास्तव, पी०एच०डी० (आई.आई.टी., गुवाहाटी) सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) आंकिक रेखीय बीजगणित, स्पेक्ट्रल ग्राफ सिद्धांत
२	डा० ओम प्रकाश, पी०एच०डी० गुणविद योजना एवं सूची नियंत्रण (संक्रिय शोध)
अस्थायी प्राध्यापक वर्ग	
१	डा० सुरेश कुमार चौबे, पी०एच०डी० रिंग एवं मॉड्यूल का सिद्धांत

शोध प्रकाशन -

- सुरेश के चौबे, मनोज के पटेल एवं वरूण कुमार, मेजो, इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी २०१७ वाल्यूम ११(३), २६४-२७४.

शोध प्रस्तुति

- ओम प्रकाश मैनुफैक्चरिंग इनवेस्टंटी माडल विड डिस्क्रीट रैण्डम डिमाण्ड एण्ड फायनाइट प्रोडक्शन रेट अंडर लेवल ऑफ ट्रेड क्रेडिट फाइनेन्सिंग राष्ट्रीय अभियांत्रिकी गणित सम्मेलन (टोपास-२०१७) मणित विभाग, आईआईटी खड्गपुर।

शोध छात्रगण

क्रमांक	छात्र	मार्गदर्शक	शोध का क्षेत्र
१	सुश्री अपराजिता बोरा	डा० रवी श्रीवास्तव	स्पेक्ट्रा ग्राफ थ्योरी

भौतिकी विभाग

भौतिकी विभाग वर्ष २०१० में अपने स्थापना से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का हिस्सा रहा है। विभागीय प्राध्यापक सदस्यगण शिक्षण तथा शोध कार्य में सक्रिय रूप से शामिल हैं। वर्तमान में विभाग बीटेक के विभिन्न अभियांत्रिकी शाखाओं के लिए भौतिकी विज्ञान, विद्युत चुंबकीय क्षेत्र सिद्धांत सालिड स्टेट डिवाइस एवं बेसिक विद्युतीय विज्ञान पाठ्यक्रम आफर करता है। संकाय के सदस्यगण नान किमियर सिस्टम पर ध्वनि के प्रभाव कम तापमान भौतिकी विज्ञान, अरैखिक गतिकी, क्वाण्टम सूचना तथा उनके शाखा भौतिकी विज्ञान के साथ इसके अन्तरा पृष्ठ स्टाक बाजार के समय श्रेणी विश्लेषण के विस्तृत क्षेत्रों में शोध कार्य में जमे हैं। वर्तमान में अस्थाई कैम्पस में प्रयोगशाला स्थान के अनुपलब्धता के कारण विभाग में सीमित प्रयोगशालाएं हैं। हालाँकि



संस्थान आवश्यक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण करके अधिक स्थान बनाने का प्रयास कर रहा है।

प्राध्यापक वर्ग विवरण -

क्रमांक	नाम पदनाम एवं शोध रुचि
१	डा० मो. नुरुज्जमान, पी-एच.डी. (होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, बी.ए.आर.सी. भारत) सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) प्रयोगशाला गैर-रेखीय गतिकी, स्टाक बाजार विश्लेषण
२	डा० अनिन्द्य बिस्वास, पी-एच.डी. (कलकत्ता विश्वविद्यालय) क्वाण्टम सूचना एवं अनेक समूह भौतिक विज्ञान के साथ मृदा अन्तरा पृष्ठ

शोध छात्रगण

क्रम सं०	छात्रगण	गाइड भेद	शोध विषय
१	अजीत मेहता	डा० मो. नुरुज्जमान	स्टाक बाजार का गैर रेखीय समय श्रेणी विश्लेषण
२	जार्ज विश्वास	डा० अनिन्द्य बिस्वास	क्वाण्टम सूचना विज्ञान

अन्य विभाग/संस्थाओं के साथ सहयोग

- विभाग ने साहा नाभिकीय भौतिक विज्ञान संस्थान कोलकाता, जादवपुर विश्वविद्यालय, प्रसीडेन्सी विश्वविद्यालय तथा हरीश चन्द्र शोध संस्थान इलाहाबाद के साथ सक्रिय शोध सहयोग किया है। वर्तमान में शीघ्र भूकम्प का पता लगाने का संयंत्र मार्ग रेडान गैस अनुश्रवण प्रणाली को जादवपुर विश्वविद्यालय के सहयोग से एनआईटी सिक्किम में स्थापित किया गया है।
- डा० अनिन्द्य विश्वास सहयोगात्मक शोध हेतु जुलाई २०१६ एवं दिसम्बर, २०१६ के दौरान हरीश चन्द्र शोध संस्थान, इलाहाबाद में क्वाण्टम सूचना एवं परिकलन समूह गये थे।

शोध प्रकाशन -

अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल

- हिलवर्ट - हुआंग रूपांतरण का प्रयोग करते हुए मृदा रेडान २२२ संकेत के भूकम्प पूर्व विसंगतियों की पहचान, एस चौधरी, ए देव, एम नुरुज्जमान, सी वर्मन, प्राकृतिक आपदाएं ८७ (३), १५८७-१६०६ (२०१७).
- क्वाण्टम क्राविद घटना का वेनफोर्ड विश्लेषण पहला अंक उच्च नाइट आकार स्केलिंग धातांक जबकि शेष दो तथा आगे अधिक बेहतर नहीं है। भौतिक विज्ञान लेटर्स ए ३८२, १६३९ (२०१८) (ए आरएक्सआईवी: १७११.००७५८ (क्वाटम-पीएच))



सम्मेलन -

१. भारत में तेल की कीमत तथा स्टॉक रिटर्न के बीच गैर रेखीय निर्भरता का अध्ययन डीपीबाण, एम नजुरुज्जमान, गैररेखीय प्रणाली तथा गतिकी पर सम्मेलन, आईआईएसईआर कोलकाता, १६, १८
२. युग्मित दोलक के रूप में स्मार्ट ग्रिड की माडलिंग तथा स्थिरता एस घोष, एम नजुरुज्जमान, एकेटे गैर-रेखीय प्रणाली एवं गतिकी पर सम्मेलन आईआईएसईआर कोलकाता, १६, १८

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग वर्ष २०१० में अपने स्थापना से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम का अभिन्न अंग रहा है। विभाग के पास उपकरण रोटरी इवैपोरेटर, मैस क्रोमेटोग्राफी सिस्टम, यूवी विजिवल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर एफटी-आईआर, इलेक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन इत्यादि के साथ पर्याप्त प्रयोगशाला सुविधाएं हैं। रसायन विज्ञान विभाग ने शैक्षणिक सत्र २०१७-१८ से रसायन विज्ञान में दो वर्षीय एम एस सी पाठ्यक्रम आरंभ किया है। वर्तमान में अस्थायी परिसर में स्थान की अनुपलब्धता के कारण सीमित प्रयोगशालाएं हैं हालांकि आवश्यक प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए औद्योगिक शेड का निर्माण करके संस्थान अधिक स्थान बनाने का प्रयास कर रहा है।

प्राध्यापक वर्ग विवरण -

क्रम सं०	नाम, पदनाम एवं शोध रुचि
१	डा० तारक नाथ कुण्डू, पी०एच०डी० (एजेसी बोस संस्थान) सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) संश्लेषित कार्बनिक रसायन विज्ञान, औषधीय रसायन विज्ञान
२	डा० अचिंतेश नारायण बिस्वास, पी०एच०डी० (यूनिवर्सिटी आफ नार्थ बंगाल) कृत्रिम प्रकाशन संश्लेषण, छोटे अणु सक्रियण जैव-प्रेरित उत्प्रेरण
३	डा० सुमित साहा, पी०एच०डी० (भारतीय विज्ञान संवर्धन संघ) संश्लेषित कार्बनिक रसायन
अस्थायी अध्यापक	
१	डा० निधि गोविल, एम.एस.सी. आईआईटी, रूडकी, पी-एच.डी. (एमएनआईटी, जयपुर) एलेक्ट्रोएनेलिकल केमिस्ट्री
२	डा० वरूण जाना, पी०एच०डी० (डब्ल्यू.डब्ल्यू. मनेस्टर, जर्मनी) मनेग्रुप एण्ड ट्राजिसन मेटल आर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री एण्ड कैटालिसिस, सरजेटिक्स मैटिरियल एण्ड इनवायरमेंट सुप्रामालीक्यूलर केमिस्ट्री तथा मृदा संसंगत प्रयोग
३	डा० सुमन्ना भट्टाचार्या, पी०एच०डी० (एनसीएल, पुणे) परिकल्पनात्मक रसायन
४	डा० अमलन दास, पी०एच०डी० (कलकत्ता विश्वविद्यालय) कैंसर बायोलॉजी कैंसर स्टेमसेल, थेरापेटिक्स

शोध प्रकाशन

१. वरूण जैना, क्रिश्चियन होनकर वर्नर उल, जार्नल आफ आर्गेनोमेटेलिक कमेस्ट्री, २०१८, ८५६, ७८-८६.
२. सौरिन जिन नासदर, वरूण जैना एवं प्रधुत घोष, 2018, 47, 5734- 5742; डीओआई: १०.१०३९/सी८डीटी००६८३के.

शोध छात्र

नाम	शोध-निर्देशक
श्री सच्चिदुलाल बिस्वास	डॉ० अचिंतेश नारायण बिस्वास
कु० सृजना सुब्बा	डॉ० सुमित साहा
श्री सतीश चन्द्र यादव	डॉ० तारकनाथ कुण्डू
श्री सृजन नारायण चौधरी	डॉ० अचिंतेश नारायण बिस्वास
श्री पंजो लिप्चा	डॉ० अचिंतेश नारायण बिस्वास

मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग

अवस्थिति में अन्तर्शैक्षणिक मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, तथा प्रबंधन में पाठ्यक्रम आफर करता है। अभिव्यक्तिशील कौशल पर विशेष पाठ्यक्रम स्वर विज्ञान, भाषा विज्ञान तथा कुछ क्षेत्रीय एवं यूरोपीय भाषाओं पर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विभाग के दीर्घावधि कार्यसूची में प्रमुख स्थान रखता है। विभाग के संकाय सदस्यगण चर्चा, बहस तथा बुद्धिशीलता हेतु अपने छात्रों को अवसर प्रदान करने में विश्वास करते हैं। विभाग का प्रमुख उद्देश्य इन्हे उत्तरदायी तथा नव परिवर्तनशील बनाना है तथा इन्हें अत्यधिक प्रतिस्पर्धायुक्त एवं बदलते विश्व के चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रशिक्षित करना है। हम अपने छात्रों में सृजनात्मक तथा आत्म विश्वास के क्षमता को एकत्रित करने में विश्वास रखते हैं एवं इसलिए हम इन्हें अभिनव विचार की ओर ले जाना जारी रखते हैं। विभाग अन्तर्शैक्षणिक अध्ययन की ओर अपने छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए संघर्षरत है जिसके लिए हम देश के अन्य सहयोगी विभागों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

प्राध्यापक विवरण -

क्रमांक	नाम तथा विशिष्टकरण
१	डॉ० धनंजय त्रिपाठी, पी०एच०डी० (इलाहाबाद विश्वविद्यालय) सहायक प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (प्रभारी) साहित्यिक आलोचना, किथक तथा इसे पुनः प्रस्तुत करना, भारतीय अंग्रेजी लेख
अस्थायी प्राध्यापक	
१	डा० देवी प्रसाद बाल, पी०एच०डी० (आईआईटी हैदराबाद) (वृहद अर्थशास्त्र, लोक अर्थशास्त्र तथा अनुपयुक्त अथमिति)



जारी शोध प्रोजेक्ट -

- शमानी धर्म की रहस्यमयी परम्परा - इसका जनजातीय प्रकृति तथा प्रमुख विश्वास, प्रायोजक एजेंसी आईसीएसएसआर, पी०आई०, डा० धनंजय त्रिपाठी
- सिक्किम तथा पश्चिम बंगाल के भारतीय हिमालयन क्षेत्र में पेयजल संरक्षण हेतु नवाचार तथा स्थायी निर्णय सहयोग प्रणाली "प्रोजेक्ट एजेंसी, राष्ट्रीय हिमालयन अध्ययन मिशन, पी.आई. डा० देवी प्रसाद बाल, डा० मोहम्मद नुरुज्जमा, डा० वरूण कुमार ठाकुर तथा डा० कनीष देवनाथा

शोध प्रकाशन

- देवी प्रसाद दास, नारायण सेठी तथा देवी प्रसाद बाल (२०१८) क्या कच्चे माल हेतु मांग भारत के लिए नगन्य है संरचनात्मक बीसआर विश्लेषण से साक्ष्य वैल्यू ११८, पेज ५५२-५८ इनर्जी पालिसि, एलसीवियर द्वारा प्रकाशित (एसपीडीसी रैंकिंग-बी)
- देवी प्रसाद दास एवं बद्री नारायण रथ (२०१७) "क्या भारत में लोद गृहण एवं आर्थिक वृद्धि के बीच संबंध की जांच करने हेतु वृहद अर्थशास्त्र अर्थशास्त्र के जर्नल में स्वीकृत, स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित (बीडीसी रैंकिंग -बी)

शोध छात्रगण

क्रमांक	नाम	पर्यवेक्षण एवं शोध विस्तृत क्षेत्र मार्गदर्शक
१	भास्कर छेत्री	डा० धनंजय त्रिपाठी, आधुनिक भारतीय कल्पना
२	अंकिता शर्मा	डा० धनंजय त्रिपाठी, कृषि उद्योग
३	लक्ष्मी राय	डा० धनंजय त्रिपाठी, शेक्सपियर का सिनेमार्क अनुकूलन
४	लेखा राय	डा० धनंजय त्रिपाठी, पूर्वोत्तर साहित्य

१३. तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-।।।)

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सिक्किम तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-।।।) का हिस्सा बन चुका है। विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रोजेक्ट क्रियान्वयन इकाई (एनपीआईयू) भारत सरकार द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है। प्रोजेक्ट के प्रमुख उद्देश्यों के सह उद्देश्य इनके पालिसी शैक्षणिक तथा प्रबंधन प्रक्रियाओं को सुधारने एवं सुदृढ़ करने के लिए तकनीकी संस्थाओं को सहयोग प्रदान करना है।

एनआईटी सिक्किम को मंटी संस्थान के रूप में चुना गया है तथा गुणवत्ता एवं विलक्षण को सुधारने के लिए पन्द्रह (१५) करोड़ रुपये आबंटित किए गए हैं। संस्था को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड्गपुर द्वारा परामर्शित किया जा रहा है। (परामर्श द्वारा संस्थान १.३) संस्था ने संस्थापित विकास प्रस्ताव (आईडीपी) में निम्न क्रियाकलापों को परिभाषित किया है।

- संस्थान के शैक्षणिक तथा शोध क्रियाकलापों को सुदृढ़ करने के लिए सामान (उपकरण, फर्नीचर क्रियाये एल आर साफ्टवेयर तथा छोटे सामान) की उपलब्धता तथा छोटे मोटे सिविल कार्य/इस प्रयोजन हेतु आबंटित सम्पूर्ण धन रूपया नौ करोड है।



- अध्ययन, अध्यापन तथा शोध सक्षमता में सुधार इस बजट मद के अन्तर्गत आबंटित सम्पूर्ण धनराशि चार करोड़ एवं पचास लाख रुपये है।
- शेष बजट प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन हेतु अपेक्षित विविध/आनुवांशिक परिव्यय हेतु है। प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन हेतु तथा प्रोजेक्ट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समर्पित टीम जिसमें निम्न सदस्यगण शामिल हैं, को बनाया गया है -

क्रमांक	पदनाम	प्राध्यापक सदस्य का नाम
१	संस्थाविद प्रोजेक्ट निदेशक (आईपीडी)	प्रो० महेश चन्द्र गोविल निदेशक, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम
२	टीईक्यूआईपी समन्वयक (टीसी)	डा० रंजन बसाक
३	टीईक्यूआईपी नोडल अधिकारी (टीसी)	डा० संग्राम राय
४	टीईक्यूआईपी नोडल अधिकारी वित्त	डा० अनिन्द्य बिस्वास
५	टीईक्यूआईपी नोडल अधिकारी प्रापण	डा० अचिंतेश नारायण बिस्वास
६	समन्वयक, स्टार्टअप	डा० अंजन कुमार राय
७	समन्वयक, एन बीस प्रत्यायन	डा० प्रणव कुमार कुण्डू
८	समन्वयक, इक्विटी एक्शन प्लान	डा० सुमित साहा
९	समन्वयक, पर्यावरण	डा० मलय रॉय
१०	समन्वयक, गेट	श्री तरुण बिस्वास

विभिन्न शैक्षणिक तथा प्रायण क्रियाकलापों की योजना टीईक्यूआईपी-III प्रोजेक्ट के अन्तर्गत बनाई गई है। क्रियाकलाप जिनसे पहले ही सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया गया है निम्नवत है

- टी.ई.क्यू.आई.पी. -III के अन्तर्गत उठाया गया खर्च -

क्रमांक	विषय का नाम	विषय की संख्या	उपस्थित (विशेषज्ञ/ अतिथि प्रवक्ता/ प्राध्यापक वर्ग की सं०)	कुल खर्च रू०	टिप्पणी
१	कार्यशाला	९	१०	४,३०,४७८.००	संस्थान के अन्दर तथा बाहर
२	सम्मेलन	४	४	१,२८,९८९.००	संस्थान के बाहर



३	विशेषज्ञ व्याख्यान	३	११	३५,०००.००	सीएसई और एम ई विभाग
४	बैठके	१२	२७	९,५७,९४५.००	संस्थान के अन्दर तथा बाहर
५	पेपर प्रस्तुति	१०	१०	२,६९,५३९.००	विभिन्न विश्वविद्यालय
६	अल्पावधि पाठ्यक्रम	०१	०१	३३,७०५.००	जनपद अभियांत्रिकी में गणित मॉडल
७	प्रशिक्षण	०४	०६	१,३१,६६९.००	विभिन्न आईआईएम एवं आईआईटी
८	स्टार्टअप एवं नवाचार	०२	०२	५२,२३०.००	सोलर प्रोजेक्ट
९	प्रापण	०१	-	११,६१,०००.००	इलेक्ट्रोकेमिकल वर्क स्टेशन
१०	भर्ती	०१	-	१०,०२२.००	टीईक्यूआईपी-III कार्यालय सहायक
११	कार्यालय खर्च	०३	-	५३,८१२.००	कार्यालय उपभोज्य
१२	प्रकाशन	०१	-	३०,८५६.००	जेईई जागरूकता कार्यक्रम
सम्पूर्ण		५१	७२	३२,९५,२४५.००	
शब्दों में - रुपया बत्तीस लाख पंचानबे हजार दो सौ एवं पैतालिस रुपये मात्र					

➤ टी.ई.क्यू.आई.पी.-III के अन्तर्गत सम्पन्न कार्यशाला

		तिथि	स्थान
एन.बी.ए. कार्यशाला	प्रो० रजनीश प्रकाश	मार्च १०-११, २०१८	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम
अन्तर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस	डॉ० धनंजय त्रिपाठी	फरवरी २८, २०१८	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम
शिक्षण तथा नियोजन कार्यशाला	श्री अविरल सिन्हा	फरवरी १, २०१८	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम
कर्मचारी विकास कार्यशाला	श्री ओ. पी. सपकोटा श्री आर. के. मांझीवाल श्री डी. महेश्वरी	फरवरी २१-२५, २०१८	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम

➤ सम्मेलन प्रतिभाग

शीर्षक	नाम	दिनांक	स्थान
पी.टी.बी.टी.-२०१७	डॉ० मो. नुरुज्जमान	दिसम्बर ७-८, २०१८	गांधी नगर
जैव-प्रौद्योगिकी	डॉ० संचारिणी दास	दिसम्बर ९-११, २०१७	आई.आई.टी. गुवाहाटी
बौद्धिक संपदा अधिकार तथा रणनीति (एम.आई.पी.एस.)- २०१८ के प्रबन्धन पर चौथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ० शैफालिका घोष समादर	जनवरी ३० - फरवरी ३, २०१८	आई.आई.टी. बाम्बे
हिन्दी राजभाषा दिवस	डॉ० धनंजय त्रिपाठी	फरवरी ७-८, २०१८	त्रिरुवन्तपुरम्, केरल

➤ विशेष व्याख्यान -

विभाग का नाम	वाह्य विशेषज्ञों के नाम	दिनांक	स्थान
एम.ई.	डॉ० हिमाद्री चट्टोपाध्याय, जे.यू.	फरवरी २३, २०१८	एन.आई.टी. सिक्किम
सी.एस.ई.	प्रो० जी. पी. बिश्वास , आई.आई.टी. धनबाद	फरवरी २३-२४, २०१८	एन.आई.टी. सिक्किम

➤ सम्मेलन एवं सेमिनार में पेपर प्रस्तुतीकरण

लेख का शीर्षक/सेमिनार का नाम	विभाग के सदस्य का नाम	दिनांक	स्थान
सेवा के रूप में डिजिटल फारेंसिक हेतु सेवा स्तर करार का व्यापारीकरण, आई.सी.सी.सी.टी.-२०१७	डॉ० शैफालिका घोष समादर	नवम्बर २४-२६, २०१७	एम.एन.एन.आई.टी. इलाहाबाद
९वां आई.सी.ओ.ए.सी.-२०१७	श्री पंकज कुमार केसरवानी	दिसम्बर १४-१६, २०१७	अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
भारत के पहाड़ी क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन :अपशिष्ट प्रबंधन में चुनौतियां तथा मुद्दे	श्री नीलांजन दत्ता	दिसम्बर १५-१७, २०१७	पी.जे.टी.एस.ए. विश्वविद्यालय, हैदराबाद
आई.ई.ई.ई. इंडीकॉन-२०१७	श्री सुरजीत कुण्डू	दिसम्बर १५-१७, २०१७	आई.आई.टी. रुड़की
इंजीनियरिंग गणित पर राष्ट्रीय सम्मेलन	डॉ० ओम प्रकाश	दिसम्बर १६-१७, २०१७	आई.आई.टी. खड्गपुर
सी.पी.डब्ल्यू. -फेड टेट्रा बॉण्ड सरकुलर पोलराइज्ड एंटीना फॉर वायरलेस कम्यूनिकेशन अप्लीकेशन	श्रीमती रेश्मी धारा	दिसम्बर १९-२२, २०१७	एम.आई.टी. औरंगाबाद, महाराष्ट्र



ए सिंगल माइक्रो स्ट्रिप फीड-सी शेड ड्यूल सर्कुलरीय पोलराइज्ड स्लॉटेड मोनोपोल एंटीना	श्रीमती रेश्मी धारा	दिसम्बर १९-२२, २०१७	एम.आई.टी. औरंगाबाद, महाराष्ट्र
सी.एफ.डी. एनालॉइज ऑफ स्विर्लिंग डक्ट विथ कॉक्सियल कंफाईंड जेट एट इनलेट	डॉ० देवाजीत साहा	जनवरी ४-६, २०१८	जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता
अनुभवातीत सीमाएँ : दर्जी के सूई तथा सम्राट के रत्न में बहुसंस्कृतिवाद का अध्ययन	श्री भास्कर छेत्री	फरवरी ८-१०, २०१८	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
पंजीकरण शुल्क - अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सिगमा-२०१८	डॉ० अमित कुमार यादव	फरवरी २३-२५, २०१८	एन.एस.आई.टी., नई दिल्ली

➤ कार्यशाला/अल्पावधि पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण में प्रतिभाग -

शीर्षक	विभाग के सदस्य/कर्मचारी	दिनांक	स्थान
टी.ई.क्यू.आई.पी.-III अनुकूलन कार्यशाला	प्रो० महेश चन्द्र गोविल डॉ० रंजन बसाक	जुलाई २२, २०१७	नई दिल्ली
	डॉ० रंजन बसाक डॉ० संग्राम राय डॉ० धनंजय त्रिपाठी	अक्टूबर १३-१५, २०१७	आई.आई.टी. गुवाहाटी
व्यवसायिक विकास प्रशिक्षण	डॉ० अरविन्द पाण्डा	दिसम्बर ११-१५, २०१७	आई.आई.एम. इन्दौर
शैक्षणिक अनावरण यात्रा	श्री राम नेपाल	दिसम्बर १३-१८, २०१७	एम.एन.आई.टी. जयपुर
वेतन निर्धारण पर कार्यशाला	श्री साहिल मिंडा	दिसम्बर १३-१५, २०१७	एन.ए.एच.आर.डी. जयपुर
व्यवसायिक विकास प्रशिक्षण	डॉ० मो० नुरुज्जमान	दिसम्बर १४-१८, २०१७	आई.आई.एम. रायपुर
ई-प्रबन्ध द्वारा सार्वजनिक प्रबन्ध पर कार्यशाला	कु० जिनिता जोसेफ	दिसम्बर १४-१६, २०१७	एन.ए.एच.आर.डी. जयपुर
स्टार्ट-अप क्रियाकलाप तथा लघु कार्ययोजना	डॉ० अंजन कुमार राय	दिसम्बर २१-२३, २०१७	आई.आई.टी. गुवाहाटी
सम्पूर्ण स्टेशन एवं जी.आई.एस.	श्री सुभो दास	जनवरी ०१-०६, २०१८	स्काई फाई लैब्स, कलकत्ता
जनपद अभियांत्रिकी में ए.आई.सी.टी.ई.-क्यू.आई.पी. गणितीय मॉडल	डॉ० अमित कुमार दास	फरवरी १९-२३, २०१८	आई.आई.टी. खड्गपुर



➤ स्टार्ट-अप एवं नवाचार क्रियाकलाप :-

शीर्षक	विभाग के सदस्य/ कर्मचारी	दिनांक	स्थान
प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुति - सोलर बल्ब एवं स्टोव	श्री प्रीतम कुमार (ई.ई.ई. छात्र)	फरवरी ९-११, २०१८	एन.आई.टी. उत्तराखण्ड
प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुति - सोलर बल्ब एवं स्टोव	श्री प्रीतम कुमार (ई.ई.ई. छात्र)	मार्च १९, २०१८	राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुति - सोलर बल्ब एवं स्टोव (टी.ए./डी.ए.)	डॉ० अंजन कुमार राय	मार्च १९, २०१८	राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली
प्रोजेक्ट कार्य प्रस्तुति - सोलर बल्ब एवं स्टोव (यात्रा खर्च/किराये का वाहन)	डॉ० अंजन कुमार राय	मार्च २०-२१, २०१८	आई.आई.टी. गुवाहाटी



१३. अवसर एवं चुनौतियां

- वर्तमान में संस्थान दक्षिण सिक्किम में रवनगला में अस्थायी कैम्पस में स्थित है। संस्थान द्वारा कार्य आरंभ किये लगभग आठ वर्ष हो रहा है। कैम्पस के अस्थायी स्थल पर उग्र जलवायु संबंधी दशा तथा अन्य सुविधाओं का अभाव संस्थान के विकास को रोक रहा है। पहाड़ी क्षेत्र, उचित चिकित्सा सुविधा इत्यादि के अभाव पर पार पाना हैं उपयुक्त स्थान पर भूमि का आबंटन समय की मांग है। संस्थान भूमि आबंटन की ओर गति प्रदान करने के लिए मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय (एम०एच०आर०डी०) तथा सिक्किम सरकार के सम्पर्क में है।
- अधिकारी के लिए प्राध्यापक वर्ग तथा छात्रों को आकृष्ट करना कठिन चुनौती बन गया है। संस्थान के अस्थायी कैम्पस में सुविधाओं के सामान्य अभाव के चलते राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम ने प्राध्यापक वर्ग के भर्ती तथा प्रतिधारण दोनों में कीआई का अनुभव किया है। विशेष रूप से सहायक प्रोफेसर एवं प्रोफेसरों की भर्ती कठिनतम चुनौती रहा है। इसलिए प्रवेश स्तर पर अतिरिक्त प्राध्यापक वर्ग की भर्ती से प्राध्यापक की कमी की समस्या को हल करना अपेक्षित है।
- मंत्रालय द्वारा उपबंधित मौजूदा नियमों के अनुसार सी०एफ०टी०आई० को १२:१ के छात्र-प्राध्यापक अनुपात को बनाये रखना चाहिए। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम में वर्तमान छात्र भर्ती के अनुसार (९८० पी०एच०डी० छात्रों को छोड़कर) प्राध्यापक वर्ग की संख्या चौरासी (८४) होनी चाहिए। वर्तमान में केवल ३८ प्राध्यापकों के पदों को एम०एच०आर०डी० द्वारा स्वीकृत किया गया है। इसलिए सिक्किम राज्य तथा शेष भारत से छात्रों के बढ़ते अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ४० अतिरिक्त प्राध्यापक वर्क के पदों को यथा शीघ्र सृजित किया जाना चाहिए। अतिरिक्त प्राध्यापकों तथा स्टाफ सदस्यों की स्वीकृति का अनुरोध मंत्रालय को भेजा गया है।
- संस्थान के समुचित कार्य प्रणाली को सुनिश्चित करने के लिए इम से कम उनचास (४९ अतिरिक्त गैर शिक्षण पदों की स्वीकृति हेतु संस्थान ने एम०एच०आर०डी० को बारंबार अनुरोध भेजा है। वर्तमान स्वीकृत संख्या मात्र सैतीस (३७) है। आने वाले वर्षों में संस्थान के विभिन्न प्रशासनिक पदों में अभिप्रेरित सुयोग्य अभ्यर्थियों की भर्ती करने के लिए विशेष प्रयास।

इन कठिनाइयों के बावजूद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, सिक्किम देश के भावी इंजीनियरों को विश्व स्तर की अध्ययन अध्यापन की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। प्रयोगशालाओं, कक्षाओं इत्यादि हेतु अतिरिक्त पूर्व निर्मित भवन/औद्योगिक क्षेत्र बनाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। प्रशासन लगातार स्थायी कैम्पस के स्थापना हेतु उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार को राजी कर रहा है लेकिन राज्य सरकार ने अब तक स्थायी कैम्पस हेतु भूमि उपलब्ध नहीं कराया है।